धनबाद
मंगलवार 30.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-128 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-1
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

झारखंड में 1042 नवनियुक्त सहायक आचार्यों को मिला नियुक्ति पत्र

सीएम हेमंत सोरेन बोले- बच्चों का भविष्य अब आपके हाथों में

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के होटवार स्थित खेलगांव परिसर के टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में १०४२ नवनियुक्त सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार ने शिक्षकों को केवल नौकरी नहीं, बल्कि राज्य की आने वाली पीढ़ी का भविष्य गढ़ने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन केवल नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी का अवसर है। उन्होंने सभी नव-नियुक्त सहायक आचार्यों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। उनके ज्ञान, व्यवहार और कार्यशैली से राज्य के बच्चों का भविष्य तय होगा।

उन्होंने कहा कि अब सभी नवनियुक्त सहायक आचार्य सरकार की आंख, कान और हाथ बनकर काम करेंगे। झारखंड की

भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं, इसलिए दूर-दराज के इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाएंगे तो समाज और राज्य दोनों को इसका लाभ मिलेगा, लेकिन लापरवाही का सबसे बड़ा नुकसान बच्चों के भविष्य को होगा।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का अमानवीय व्यवहार स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर सामने आने वाली घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की।

हेमंत सोरेन ने कहा कि आज दुनिया किसी व्यक्ति की जाति या धर्म नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और कार्य को महत्व देती है। इसलिए शिक्षकों को समाज में सकारात्मक माहौल बनाते हुए सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर काम करने से हर चुनौती का सामना किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लगातार नियुक्तियां कर रही है। पिछले कार्यकाल में ५५ हजार से अधिक लोगों को नियुक्ति दी गई थी और ▶▶ 8

पश्चिम बंगाल विधानसभा में ओबीसी संशोधन बिल पास, सरकार बोली- कोर्ट के निर्देश का कर रहे पालन

113 जातियां आरक्षण सूची से बाहर

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सोमवार को अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जुड़े दो महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को पारित कर दिया। राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए इन विधेयकों के पक्ष में १८६ विधायकों ने मतदान किया, जबकि १७ सदस्यों ने विरोध किया और छह विधायक मतदान से अनुपस्थित रहे।

नए कानून लागू होने के बाद राज्य में ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था में व्यापक बदलाव होंगे। इसके तहत आरक्षण का ढांचा १७ प्रतिशत से घटाकर ७ प्रतिशत कर दिया गया है, साथ ही ओबीसी श्रेणियों का भी पुनर्गठन किया गया है।

पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री गौरिशंकर घोष ने विधानसभा में 'पश्चिम बंगाल बैकवर्ड क्लासेज (एससी-एसटी को छोड़कर) रिजर्वेशन ऑफ वैकेंसी इन सर्विसेज एंड पोस्ट अमेंडमेंट बिल, २०२६' और 'पश्चिम बंगाल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेज अमेंडमेंट बिल, २०२६' पेश किए।

विधेयक पर चर्चा के दौरान मंत्री ने कहा कि सरकार का यह कदम पूरी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप है और इसका किसी भी प्रकार की राजनीतिक मंशा से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने

बताया कि बिना किसी फील्ड सर्वे के ओबीसी सूची में शामिल की गई ११३ श्रेणियों को हटाया गया है, जबकि विभिन्न सर्वेक्षणों के आधार पर शामिल की गई ६६ उप-श्रेणियों को बरकरार रखा गया है।

आयोग तय करेगा नई सिफारिशें

सरकार के अनुसार, संशोधित कानून के तहत अब पिछड़ा वर्ग आयोग किसी भी समुदाय की सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति की जांच करेगा। यदि आयोग किसी समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल करने की सिफारिश करेगा, तभी ▶▶ 8

एक जुलाई को सूचना आयुक्तों का होगा शपथ ग्रहण

रांची (एजेंसी): राज्य के नव नियुक्त सूचना आयुक्तों को एक जुलाई को राजभवन में शपथ दिलायी जाएगी। राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से लोक भवन को इसकी जानकारी दी है। साथ ही तैयारी करने का सुझाव भी दिया है। एक जुलाई को दिन के ११.३० बजे से लोक भवन के दरबार हॉल में नव नियुक्त चारों सूचना आयुक्तों को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शपथ दिलाएंगे। मालूम हो कि पिछले दिनों राज्यपाल द्वारा सूचना आयुक्तों के पैनल पर स्वीकृति दिए जाने के बाद कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी कर चुका है। उनमें अनुज कुमार सिन्हा, अमूल्य नीरज खलखो, शिवपूजन पाठक और तनुज खत्री का नाम शामिल हैं।

सीबीएसई ने जारी किए तीन-भाषा नीति के नए दिशा-निर्देश, मौजूदा 10वीं के छात्रों को बड़ी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के तहत तीन-भाषा नीति को लागू करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में कक्षा १० में पढ़ रहे छात्रों पर नई व्यवस्था लागू नहीं होगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि किसी भी छात्र की पढ़ाई प्रभावित न हो और उन्हें बीच सत्र में भाषा बदलने की मजबूरी का सामना न करना पड़े। नई व्यवस्था शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी। इसके तहत कक्षा ९ और १० के विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी। यदि कोई छात्र विदेशी भाषा पढ़ना चाहता है, तो वह तीसरी भाषा के रूप में या अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में उसे चुन सकेगा। बोर्ड ने कक्षा ७ और ८ के मौजूदा छात्रों के लिए भी संक्रमणकालीन व्यवस्था की है। जो विद्यार्थी पहले से किसी विदेशी भाषा का अध्ययन कर रहे हैं, उन्हें अपनी मौजूदा भाषा संयोजन जारी रखने की अनुमति दी गई है, ताकि उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार का व्यवधान न आए। सीबीएसई का कहना है कि इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य सभी संबद्ध स्कूलों में तीन-भाषा नीति का समान और सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना है।

टीएमसी के 57 विधायकों पर एफआईआर दर्ज

चुनाव चिन्ह और पार्टी पदों के कथित दुरुपयोग का आरोप

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ५७ विधायकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि इन नेताओं ने चुनाव चिन्ह और पार्टी के पदों का कथित रूप से गलत इस्तेमाल किया। इस मामले में विभिन्न पुलिस थानों में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, जिनके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पार्टी के आधिकारिक पदों और चुनाव चिन्ह का उपयोग नियमों के विपरीत किया गया। पुलिस मामले से जुड़े दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। फिलहाल सभी आरोप जांच के दायरे में हैं और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे।

सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी

तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए। यही नहीं, पासपोर्ट के नागरिकता का प्रमाण न होने को लेकर एक नई बहस भी छिड़ गई है। विपक्षी दलों का कहना है कि पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र अगर नागरिकता को साबित नहीं करते, तो फिर इसके लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। यह विचित्र बात है कि एक तरफ सरकार का दावा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है और यह कभी भी नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं रहा है, तो दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए पात्रता साबित करने हेतु जिन 12 वैध दस्तावेजों की जरूरत होती है, उनमें पासपोर्ट भी शामिल है। यह बात भी सामने आती है कि देश भर में हो रही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की ओर से नागरिकता की आंशिक रूप से जांच की जा रही है। ऐसे में अब यह मांग भी उठ रही है कि सरकार को कानूनी ढांचे में संशोधन कर पासपोर्ट और आधार कार्ड दोनों को भारतीय नागरिकता का वैध और निर्णायक प्रमाण घोषित करना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज भी कई देशों में पासपोर्ट को नागरिकता का प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता है।

वेनेजुएला भूकंप की त्रासदी ने दिया बड़ा संदेश

दक्षिणी अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए सात से भी अधिक तीव्रता के दो भूकंप के झटकों से हुई भारी क्षति ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। इस त्रासदी का दायरा इतना बड़ा है कि हजारों नागरिक अब भी लापता हैं। फिलहाल पाँच सौ से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। जाहिर है कि जान-माल की इस भारी क्षति से देश की अर्थव्यवस्था को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं होगी। गौरतलब है कि वेनेजुएला के नजदीक 'कैरिबियन प्लेट' और 'साउथ अमेरिकन प्लेट' आपस में मिलती हैं। बीते बुधवार को इन प्लेटों के पास भारी हलचल के कारण तीव्र भूकंप आया। भूगर्भ विज्ञानियों ने आगामी दिनों में देश में फिर से तेज भूकंप के झटके आने की आशंका जताई है। यह प्राकृतिक आपदा भारत समेत दुनिया के उन तमाम देशों को सचेत करने

वाली है, जिन्हें भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। हालांकि इनमें से कई देशों में भूकंपरोधी तकनीकों के जरिए बचाव के उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन भारत में इस दिशा में कोई खास तैयारी धरातल पर नजर नहीं आती। भारत की बात करें तो नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक यहां के 29 शहर भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील हैं। देश के 59 प्रतिशत भूभाग को भूकंप संभावित क्षेत्र माना गया है। सिस्मिक जोन-4 में आने वाले देश के सभी बड़े शहरों में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाके सबसे अधिक जोखिम में हैं। वहीं कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई और चेन्नई सिस्मिक जोन-3 श्रेणी में आते हैं। भारतीय शहरों में तबाही का खतरा इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां ज्यादातर इमारतें कमजोर हैं। हालांकि सरकार की ओर से भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक के इस्तेमाल पर लगातार जोर दिया जाता रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर बचाव के इन उपायों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। गुजरात के भुज से लेकर चमोली और उत्तरकाशी तक देश भूकंप की भीषण त्रासदी झेल चुका है। हमें इन घटनाओं से सबक लेकर व्यापक स्तर पर बचाव के उपाय अपनाने होंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

आज का कार्टून

भारत के भविष्य की तस्वीर कैसी होगी?

लोकतंत्र का अर्थ है जनता का शासन। इस व्यवस्था में हर व्यक्ति जन्म से आजाद होता है और उसे स्वतंत्रता के अनेक अधिकार प्राप्त होते हैं। लोकतांत्रिक सरकार वह है, जो लोगों के अधिकारों का सम्मान और बचाव करती है और ऐसी स्वतंत्र संस्थाएं बनाती है, जो इन अधिकारों की रक्षा करती है तथा उन्हें सही तरीके से लागू करती है। फ्रीडम हाउस, वी-डेम इंस्टीट्यूट और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसे शोध संस्थान विभिन्न मानकों के आधार पर देशों की आजादी और लोकतांत्रिक स्थिति का आकलन करते हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों की रैंकिंग लगातार गिर रही है। भारत का स्कोर वर्ष 2005 में 77 था, जो अब घटकर 63-67 के बीच रह गया है। हो सकता है कि भारत सिर्फ 'चुनावी लोकतंत्र' बनकर रह जाए, जहां चुनाव तो हों, लेकिन वे पहले जितने स्वतंत्र और निष्पक्ष न रहें। ऐसा लगता है कि देश की जनता भारत की इस गिरती साख से परेशान नहीं है, क्योंकि उन्हें कल्याणकारी योजनाएं और आधारभूत संरचना मिल रही हैं।

पी. चिदंबरम

मैंने कई वर्षों तक भारत में सामाजिक और राजनीतिक रुझानों को देखा एवं समझा है। जो चीजें एक गहरी धारा जैसी लगती हैं, हो सकता है कि वे वैसी न हों और बस कुछ समय के लिए आए बादल की तरह हों। ऐसे बादल स्वागत योग्य बारिश तो ला सकते हैं, लेकिन वे जलवायु की स्थायी पहचान नहीं बनते।

वर्ष 1947 एक निर्णायक मोड़ था। आजादी के बाद से कई स्पष्ट प्रभाव और रुझान देखे गए, लेकिन वे ज्यादा समय तक नहीं टिके, जबकि कई ऐसे शुरुआती रुझान थे, जो ज्यादातर लोगों की नजर में नहीं आए और वे स्थायी बन गए। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी के प्रति गहरी श्रद्धा और सैकड़ों समर्पित गांधीवादियों के बावजूद गांधीवादी जीवन-दर्शन, अहिंसा, सत्याग्रह, चरखा और सविनय अवज्ञा की भावना उनके निधन के कुछ दशकों बाद ही कमजोर पड़ गई। दूसरी ओर, भारत में तेजी से शहरीकरण का अंदाजा बहुत कम लोगों को था। जलवायु परिवर्तन की ओर भी कम ही लोगों का ध्यान गया और इंसान तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बीच के जटिल रिश्ते को तो और भी कम लोग समझ पाए।

एक कहावत है, 'भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है, खासकर जब बात भविष्य की हो' (नोबेल पुरस्कार विजेता नील्स बोर और मशहूर बेसबॉल खिलाड़ी योगी बेरा)। फिर भी, मैं इस मुश्किल कार्य में कदम रखने का साहस करूंगा। मैंने पांच ऐसे रुझानों को जाना-समझा है, जो ताकत और गति पकड़ सकते हैं। भले ही मुझे इनमें से कुछ रुझान पसंद न हों या उनसे घबराहट हो, लेकिन ऐसा लगता है कि इन्हें रोका नहीं जा सकता।

लोकतंत्र का अर्थ है जनता का शासन। इस व्यवस्था में हर व्यक्ति जन्म से आजाद होता है और उसे स्वतंत्रता के अनेक अधिकार प्राप्त होते हैं। लोकतांत्रिक सरकार वह है, जो लोगों के अधिकारों का सम्मान और बचाव करती है और ऐसी स्वतंत्र संस्थाएं बनाती है, जो इन अधिकारों की रक्षा करती हैं तथा उन्हें सही तरीके से लागू करती हैं।

फ्रीडम हाउस, वी-डेम इंस्टीट्यूट और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसे शोध संस्थान विभिन्न मानकों के आधार पर देशों की आजादी और लोकतांत्रिक स्थिति का आकलन करते हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों की रैंकिंग लगातार गिर रही है। भारत का स्कोर वर्ष 2005 में 77 था, जो अब घटकर 63-67 के बीच रह गया है। हो सकता है कि भारत सिर्फ 'चुनावी लोकतंत्र' बनकर रह जाए, जहां चुनाव तो हों, लेकिन वे पहले जितने स्वतंत्र और निष्पक्ष न रहें। ऐसा लगता है कि देश की जनता भारत की इस गिरती साख से परेशान नहीं है, क्योंकि उन्हें कल्याणकारी योजनाएं और आधारभूत संरचना मिल रही हैं और दमनकारी सामाजिक ढांचे को कोई चुनौती नहीं मिल रही है। इस मामले में चीन की रैंकिंग कई वर्षों से 9/100 पर स्थिर है, लेकिन तमाम रिपोर्टों के अनुसार वहां के लोग खुश हैं। हो सकता है कि भारत भी उसी रास्ते पर चल पड़े।

अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर द्वयाधिकार या अल्पाधिकार का दबदबा है, जैसे हवाई सेवा, दूरसंचार, सीमेंट, स्टील, बिजली, दवा, पेट्रोलियम, रक्षा उत्पाद, खनन और परचून। और भी क्षेत्र इसी रास्ते पर जा सकते हैं। छोटे व्यवसाय और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम लगभग खत्म हो जाएंगे। गैर-सरकारी संगठनों का गला घोंट दिया जाएगा। आर्थिक शक्ति का वितरण तेजी से एकाधिकारवादियों के पक्ष में होता जाएगा। पूंजी और श्रम के बीच का संतुलन पूंजी के

पक्ष में झुकना जारी रहेगा। आय का वितरण अमीरों और अति-अमीरों के पक्ष में हो जाएगा। इससे आय की असमानता बढ़ेगी और समाज पहले से अधिक असमान होता जाएगा।

अधिकतर बड़े शहर महानगरीय बन चुके हैं, जहां भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों तथा खान-पान की विविधता है। कई छोटे शहर भी इसी राह पर चल रहे हैं। शहरीकरण और बड़े पैमाने पर पारगमन प्रणालियां इस प्रवृत्ति को देश के भीतर और गहराई तक ले जाएंगी। कोई भी किसी एक स्थान से 'जुड़ा हुआ' नहीं रहेगा। 'पैतृक स्थान' संयुक्त परिवार की तरह विलुप्त हो जाएगा। मिलने वाले अधिकांश लोग अजनबी होंगे। दोस्तों का दायरा छोटा हो जाएगा और रिश्ते उपकरणों के माध्यम से बनेंगे। बातचीत मशीनों द्वारा संचालित होगी। यह धारणा गलत साबित हो सकती है कि कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं रह सकता। भावनाओं के बजाय लेन-देन ही लोगों के बीच संबंधों को निर्धारित करेगा।

विज्ञान और छद्म-विज्ञान के बीच का फर्क मिट जाएगा। जैसा कि वासुदेवन मुकुंद ने लिखा था (द हिंदू, 23 जून 2026), शैक्षिक प्राधिकारी पौराणिक विज्ञान को विज्ञान, पौराणिक कथाओं को इतिहास, रीति-रिवाजों को तकनीक और तथ्यों की पुष्टि को खुलेआम नजरअंदाज करने की प्रथा को संस्थागत रूप देंगे। आईआईटी को पौराणिक कथाओं, पुनर्जन्म और वैदिक जीव विज्ञान पर 'शोध' करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। सांस्कृतिक पुनरुत्थान मंदिरों के पुनर्निर्माण और हिंदू त्योहारों को मनाने के इर्द-गिर्द घूमेगा। कई शहरों में मांस की दुकानों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल के बाद अन्य राज्य भी मध्याह्न भोजन योजना से अंडे हटा सकते हैं। और भी कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। हिंदुत्व के एजेंडे के विरोध को कुचल दिया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा बच्चे और वयस्क केवल एक भाषा हिंदी में ही बोल और लिख पाएंगे, जिससे विज्ञान, तकनीक और वैश्विक ज्ञान तक उनकी पहुंच सीमित हो सकती है (जब तक कि हिंदी, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं की बराबरी नहीं कर लेती)। धार्मिक, भाषाई और जातीय अल्पसंख्यक इस डर में जिएंगे कि क्या एक ऐतिहासिक रूप से बहुलवादी देश में उनके बच्चों के लिए कोई जगह होगी।

इन रुझानों का 144 करोड़ लोगों पर गहरा असर पड़ेगा। यह आबादी 167 करोड़ तक पहुंचकर स्थिर हो जाएगी और फिर घटने लगेगी। भारत की तरक्की होगी, चाहे विकास दर पांच फीसद हो या उससे ज्यादा और सरकार चाहे कोई भी हो, क्योंकि भारतीय लोग अनाज उगाएंगे, उत्पाद तैयार करेंगे और उनका खुद इस्तेमाल करेंगे या निर्यात करेंगे। अमीर और अति-अमीर लोगों की संख्या बढ़ेगी, लेकिन लाखों-करोड़ों लोग आर्थिक पिरामिड के सबसे निचले स्तर पर ही रहेंगे। इन लोगों के लिए मांग, उपभोग, विकास और जीवन स्तर निम्न ही रहेगा। इसके अलावा, अगर इन लोगों को किसी न किसी बहाने विकास की मुख्यधारा से बाहर रखा गया, तो उनकी स्थिति और खराब होगी। ऐसे में भारत पहले से अधिक असमान और ज्यादा बंटा हुआ होगा, जिससे समाज में आक्रोश बढ़ेगा।

इन पांच संकेतों पर सवाल उठाए जा सकते हैं या उनमें कुछ जोड़ा या घटाया जा सकता है, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की दिशा और ये संकेत ही तय करेंगे कि आने वाले समय में दुनिया में भारत का स्थान क्या होगा।

मोहन भागवत को लिखे प्रियांक खड़गे के पत्र के बाद छिड़ी नई बहस

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को पत्र लिखकर कुछ प्रश्न पूछे हैं और इसके पंजीकृत नहीं होने का कारण जानना चाहा है। भारतीय विमर्श परंपरा में प्रश्नोत्तर का विशेष महत्त्व है। प्रश्न करने वाला स्वयं विषय को समझता है और उस पर अपनी आलोचनात्मक राय रखता है। प्रश्नों से वह विचार पर द्वंद्व और अज्ञानता को दूर करना चाहता है।

राकेश सिन्हा

खड़गे न तो संघ को समझना चाहते हैं, न ही उनकी नीयत संघ के विचार पर गहन विमर्श करने की है। उन्हें इस बात का व्यावहारिक ज्ञान जरूर है कि संघ विरोध में सुर्खियां मिलेंगी। इसमें वे सफल रहे। आज वे अन्य राज्यों में अपने समकक्षों की तुलना में देश में सबसे अधिक परिचित नाम हैं।

राजनीतिज्ञों का एक वर्ग पिछले कई दशकों से इस तरह के सतही विवादों से राजनीति में अपनी तात्कालिक प्रासंगिकता बढ़ाता रहा है। वर्ष 1974-75 में स्वयं इंदिरा गांधी हर बात के लिए संघ पर अंगुली उठाती रहीं, तो वर्ष 1977 में देश में जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मधु लिमये, कृष्णकांत और राजनारायण जैसे नेता संघ से छद्म युद्ध करते रहे। इससे भी पूर्व 1960 के दशक में जवाहरलाल नेहरू की समर्थक सुभद्रा जोशी ने सांप्रदायिकता के खिलाफ समिति बनाकर संघ विरोधी दर्जनों रचनाओं का प्रकाशन किया था। लिखने वाले सभी प्रियांक खड़गे जैसे ही लोग थे। लिहाजा राज्य-पोषित यह अभियान जमीन पर बेअसर रहा। वर्ष 1936 की एक घटना इस संदर्भ में प्रासंगिक है। महात्मा गांधी के सहयोगी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जमनालाल बजाज ने संघ के संस्थापक हेडगेवार को संघ संबंधी प्रश्नों की सूची भेजी थी। इस पर उनका जवाब रोचक था। उन्होंने उत्तर में लिखा, 'आप हेडमास्टर नहीं हैं कि मैं एक स्कूली छात्र के रूप में आपके प्रश्नों का जवाब दूं।' बजाज वर्धा के रहने वाले थे, जहां नागपुर के बाद संघ की सबसे मजबूत स्थिति थी।

दो वर्ष पूर्व गांधी जमनालाल बजाज के साथ वर्धा में संघ शिविर देखने आए थे। उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ संवाद कर संघ के व्यावहारिक पक्ष, विशेषकर जाति, अस्पृश्यता, आर्थिक बराबरी आदि को समझना चाहा। बाद में उन्होंने हेडगेवार से संवाद किया। तेरह साल बाद वे सितंबर 1947 में दिल्ली में संघ शिविर पुनः आए। वहां उनका स्वयंसेवकों के साथ लंबा प्रश्नोत्तर हुआ। संघ को समझने का यह ईमानदार प्रयास था।

उनके बाद जयप्रकाश नारायण ने इसी रास्ते को अख्तियार किया। वे आरंभ में संघ विरोधी थे, मगर वे इसे समझना चाहते थे। इसकी ललक उन्होंने वर्ष 1968 में सांप्रदायिकता विरोधी कमेटी के प्रथम सम्मेलन में दिखाई। एक के बाद दूसरे वक्ताओं के संघ विरोधी अलंकृत भाषणों के बीच जयप्रकाश नारायण (जो इसके उद्घाटनकर्ता और मुख्य अतिथि थे) ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि 'लगता है, यह सांप्रदायिकता नहीं, बल्कि संघ विरोधी सम्मेलन है।' बाद में वे संघ को समझने के लिए इसके निकट आए। उसी निकटता के क्रम में उनका वर्ष 1977 में पटना में संघ शिविर में जाना हुआ था।

हेडगेवार दृढ़ता से मानते थे कि संघ राजनीति की तात्कालिक या दीर्घकालिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए नहीं बना है। भागवत ने हेडगेवार द्वारा बजाज को लिखे गए पत्र के भाव को ही सुसंगत तरीके से रखा है कि संघ को निकट से देखकर ही इसके साथ रचनात्मक संवाद संभव है। संघ की शुरुआत संस्था के रूप में हुई ही नहीं। इसकी स्थापना के छह महीने बाद इसका नामकरण हुआ। पदाधिकारी तीन वर्षों बाद बने। कार्यालय बनने में एक दशक लग गया। स्थापना के पीछे एकमात्र लक्ष्य हिंदुओं में राष्ट्रीय पहचान, राष्ट्रवादी वृत्ति और सामाजिक बराबरी का भाव पैदा करना है। प्रेरणा लेने-देने के लिए पंजीकरण नहीं करना पड़ता है।

संघ से ही प्रेरित होकर स्वयंसेवक समाज के लिए उपयोगी काम विभिन्न पंजीकृत संगठनों, वनवासी कल्याण आश्रम, सेवा भारती, भारतीय मजदूर संघ, सहकार भारती इत्यादि के माध्यम से करते हैं। अतः संघ औपचारिक संगठनों का एक अनौपचारिक केंद्र है। ऐसा उदाहरण अमेरिका में भी है। मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) द्वारा सदर्न क्रिश्चियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस की स्थापना वर्ष 1957 में की गई थी। यह नागरिक अधिकारों के लिए काम करने वाली अनेक संस्थाओं का गैर-पंजीकृत अनौपचारिक केंद्र था। सार्वजनिक नैतिकता की कल्पना से जो संगठन जितना करीब होता है, उसका समाज में प्रभाव उतना अधिक होता है। यही कारण है कि जब संघ पचास और साठ के दशकों में छोटा संगठन था, तब भी यह राजसत्ता से लेकर समाज का ध्यान अपनी ओर खींचता रहा। संघ के आलोचक संगठन के इस पहलू को भूल जाते हैं। इसलिए वर्ष 1950 से अब तक संघ-विरोधी उसके प्रति अज्ञानता का पिरामिड बनकर रह गए हैं।

वर्ष 2025-26 संघ का शताब्दी वर्ष है। यह एक सुनहरा अवसर था, जब सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पहलुओं पर गंभीर विमर्श होता, मगर इसकी शुरुआत तक नहीं हो पाई। यह एक अवसर खोने जैसा है। शास्त्रार्थ का देश नए युग में जी रहा है, जिसे 'आरोप-प्रत्यारोपार्थ' का युग कह सकते हैं। ऐसा किसी भी समाज की सामूहिक बौद्धिकता के लिए आत्मघाती होता है। यह स्थिति चालीस के दशक में नहीं थी। इसका उदाहरण मार्क्सवाद से निकटता रखने वाले बालाजी हुद्दार थे, जिन्होंने 25 जून 1940 में संघ को भारत में 'नव संस्कृति की स्थापना का आंदोलन' कहा था। वैचारिक विमर्श में सामाजिकता और लचीलापन विचार के विकास के सूचकांक को हमेशा आगे बढ़ाता है।

आज से घरघर जाकर बीएलओ बांटेंगी इन्यूमरेशन फॉर्म

धनबाद (कासं) : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि ३० से २९ जुलाई तक जब बीएलओ मतदाता के घरघर जाएं तो मतदाताओं को विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से उनकी मैपिंग अवश्य सुनिश्चित करें। राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में विगत की विशेष गहन पुनरीक्षण वाले मतदाता सूची से मैपिंग की विवरणी को नागरिकता हेतु वांछित दस्तावेज के रूप में माना गया है। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में सामान्यत: कोई अन्य दस्तावेज नहीं देने होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सोमवार को धनबाद जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण हेतु चल रहे कार्य एवं कार्ययोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

धनबाद जिले के भ्रमण के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ जिले के ईवीएम वेयर हाउस के निरीक्षण में भाग लिया। वेयर हाउस निरीक्षण के अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इसके उपरांत श्री के. रवि कुमार ने धनबाद जिले के भूली बस्ती स्थित मतदान केंद्र संख्या ३८ उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं मतदान केंद्र संख्या २१० गुरुनानक मध्य विद्यालय में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में किए जा रहे कार्य एवं कार्ययोजना की समीक्षा की।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म की २ प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जिसे मतदाता भरकर एक प्रति अपने बीएलओ को देंगें और दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास रखेंगे।

सभी मतदाता जो इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे उनका नाम मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में ५ अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा। के. रवि कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं देने होंगे। इस अवसर पर जब बीएलओ घर घर आये तो वैसे मतदाता जिनकी अभी भी विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हुई है वे बीएलओ को अपना विवरण बताकर मैपिंग करा लें। वैसे मतदाता जिनकी मैपिंग नहीं हो सकेगी उन्हें बीएलओ द्वारा ईआरओ स्तर पर नोटिस उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नोटिस के जवाब में मतदाता आवश्यकतानुसार वांछित दस्तावेज अपने बीएलओ को समर्पित करेंगें जिसके उपरान्त उनका नाम मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में शामिल किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत के संविधान के आर्टिकल ३२६ का जिक्र करते हुए कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेंगे और एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे। इस हेतु विशेष गहन पुनरीक्षण के सभी कार्य किए जा रहें है। वहीं मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि ३० जून से मतदाता सूची के विशेष ग्रहण पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत होगी। यह एक महत्वपूर्ण और पारदर्शी प्रक्रिया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के हर चरण में राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। उनके साथ हर चरणों का विवरण साझा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जिले के हर मतदाता को इस प्रक्रिया में उपलब्ध कराए गणना पत्र को भरने एवं बीएलओ को सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशिष गंगवार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो के अलावा सभी विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ सहित जिले के निर्वाचन संबंधी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चोरी का सामान बंटवारा करते 4 अपराधी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस ने बलियापुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चोरी और छिनतई के सामान का बंटवारा करते हुए चार अपराधियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की मोटरसाइकिलें, भारी मात्रा में मोबाइल फोन और सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, विगत २८ की रात को बलियापुर थाना के सअनि इरफान अपनी टीम के साथ गश्ती पर थे। इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि बेलगड़िया फेज२ स्थित तीन तल्ला पानी टंकी के पीछे झाड़ियों में कुछ युवक चोरी के सामान का बंटवारा करने के लिए इकट्ठा हुए हैं।

वरिष्ठ पदाधिकारियों को सूचित करते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर छापेमारी की और घेराबंदी कर चार अपराधियों को दबोच लिया। बलियापुर थाना में इस संबंध में कांड संख्या ११०/२३१७(४)/११२/३(५) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), २०२३ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस द्वारा पकड़े गए अपराधियों की पहचान इस प्रकार है। सुमित कुमार निषाद (उम्र २०), बीसीसीएल कॉलोनी, करगाटांड़, धनबाद।

शहबाज अंसारी उर्फ छोटू अंसारी (२०) निवासी बेलगड़िया कॉलोनी फेज१, बलियापुर, धनबाद। रोहित कुमार रजक बीसीसीएल कॉलोनी, करगाटांड़, बलियापुर, धनबाद। रवि बाउरी, बेलगड़िया कॉलोनी फेज१, बलियापुर, धनबाद। गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस की कड़ी पूछताछ में स्वीकार किया है कि वे धनबाद और आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में राहगीरों से चैन, मोबाइल, लैपटॉप और पर्स इत्यादि की छिनतई और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने अपराधियों के पास से और उनकी निशानदेही पर निम्नलिखित सामान बरामद किया है। मोबाइल फोन सैमसंग, मोटोरोला, रियलमी, वीवो और रेडमी सहित कुल ८ स्मार्टफोन। सोने जैसा पीला धातु से बना एक नथिया, एक जोड़ा कान का टॉप्स, एक जोड़ा कान का झुमका, एक सोने जैसी पीली चेन और एक सोने का मंगलसूत्र साथ में दो होंडा शाइन मोटरसाइकिलें बरामद की गई है। उपरोक्त आशय की जानकारी सिटी एसपी ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर दी।

मुख्य निर्वाचन व जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य वेयरहाउस की सुरक्षा, रखरखाव और वर्तमान व्यवस्थाओं का जायजा लेना था।

इस अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और ईवीएम प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा। उन्होंने वेयरहाउस परिसर की सुरक्षा और चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी को लेकर अधिकारियों को अलर्ट रहने को कहा गया।

सुरक्षा गार्डों की उपस्थिति, उनकी मुस्तैदी और गार्ड शिफ्टों के सही प्रबंधन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए वेयरहाउस में उपलब्ध फायर एक्सटिंग्विशर की जांच की और अग्निशमन की सभी सुविधाओं को हमेशा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, निर्वाचन कार्यालय के कर्मी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

16 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद के बलियापुर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब १६ किलोग्राम गांजा बरामद किया है। धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि रात बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्ती और छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि रखितपुर रेलवे गुमटी के पास दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूम रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस ने वरीय अधिकारियों को जानकारी देते हुए कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम जब बलियापुरझरिया मुख्य सड़क स्थित हनुमान मंदिर परघा के पास पहुंची तो दो व्यक्ति पीठ पर बैग लादकर पैदल कुसमाटांड़ की ओर जाते दिखे। पुलिस ने दोनों को रोककर पूछताछ की तो उन्होंने बैग में गांजा होने की बात स्वीकार की।

इसके बाद मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिंदरी प्रकाश चंद महतो की मौजूदगी में दोनों बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों बैग से ८८ पैकेट में कुल १६ किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास कुमार, निवासी नोएडा उत्तर प्रदेश और श्यामा कांत सिंह, निवासी सिंदरी धनबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। छापेमारी में बलियापुर थाना के पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला का आयोजन

बलियापुर (ससे) : बाल गोपाल चैरिटेबल ट्रस्ट के आश्रम में ग्रामीण महिला संरक्षण मंडल का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में हर क्षेत्र की महिलाएं अपनी प्रतिभा और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, खेल, व्यापार और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी देश के विकास को नई दिशा दे रही है। महिला सशक्तिकरण केवल महिला अधिकारों की नहीं, बल्कि एक मजबूत, समृद्ध बात और समान समाज की नींव है। समाज में महिलाओं को शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के समान अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। जब एक महिला नशे में होती है तो पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता है। इस अवसर पर बाल गोपाल चैरिटेबल के बाबू भट्टाचार्य ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकार के प्रति सलाहकार की अपील की। साथ ही बेटी की शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान अगरबत्ती, कैडलस्टिक पाउडर, आश्रम वाला साबुन, कपड़ा धोने वाला साबुन, चंदन, गुड़िया बनाना, आटा आदि के प्रशिक्षण के बारे में विशेष चर्चा में सफल कलाकार बने रहे। जिसमें शामिल रहे मनोज महतो, अटल पंचायत के उप मुखिया रीना, तुंपा, बबीता देवी, पार्वती, पीहू देवी, रूमा कुमारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जगन्नाथ मंदिर में स्नान यात्रा संपन्न

धनबाद (कासं) : धनसार स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा की स्नान यात्रा संपन्न हुई। मंदिर में विधिविधान के साथ भगवान को पवित्र जल से स्नान कराया गया। इसके साथ ही भगवान जगन्नाथ अब १५ दिनों के लिए अज्ञातवास में चले जाएंगे। इस दौरान भगवान का दर्शन भक्तों के लिए बंद रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार स्नान यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ हो जाते हैं और उन्हें विश्राम दिया जाता है। इस अवधि में मंदिर में भगवान की विशेष पूजाअर्चना और सेवा की जाती है। १५ दिनों के बाद भगवान स्वस्थ होकर भक्तों को दर्शन देते हैं। इसके बाद रथ यात्रा की परंपरा शुरू होती है। धनसार जगन्नाथ मंदिर में भी १६ जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की रथ यात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर मंदिर प्रबंधन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है।

सहकारी सप्ताह समारोह का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सफलतापूर्वक ५ वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आज से पूरे देश के साथसाथ धनबाद जिले में भी सहकारी सप्ताह समारोह का भव्य शुभारंभ हो गया है। यह समारोह २९ से ६ जुलाई तक पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के तहत जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है, जो इस प्रकार है।

२९ को सहकारी सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर धनबाद जिले के सभी कार्यालयों तथा सभी पैक्स में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। ३० को जिले के सभी कार्यालयों तथा पैक्स में सदस्यता वृद्धि अभियान की शुरुआत की जाएगी, साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्य किया जाएगा। २ जुलाई को धनबाद सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक के सभागार में दुग्ध एवं मत्स्य सहकारी समितियों के लिए विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाएगा।

३ जुलाई को जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों के सभागार में व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। ४ जुलाई २०२६ को सहकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए धनबाद सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक लि०, धनबाद में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होगा।

५ जुलाई पैक्स एवं अन्य सहकारी समितियों के प्रबंधकों व अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण पैक्स बैठक आयोजित की जाएगी। ६ जुलाई को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समापन समारोह में धनबाद जिले की दो समितियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके तहत प्रथम पुरस्कार: ५० हजार की राशि। द्वितीय पुरस्कार: २५ हजार की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, जिला स्तर पर भी सहकारिता के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले १० उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश ने बताया कि इस पूरे आयोजन का मुख्य उद्देश्य सहकारिता के आंदोलन को जनजन तक पहुँचाना, समितियों को सुदृढ़ करना और स्थानीय स्तर पर व्यवसायिक व सामाजिक विकास को गति देना है।

भागा माइनिंग कॉलेज में छात्रों का हंगामा

झरिया/जोड़ापोखर (ससे) : भागा माइनिंग कॉलेज में चौथे सेमेस्टर का रिजल्ट जारी नहीं होने से छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज छात्राओं ने कॉलेज के मुख्य गेट में ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि शिक्षकों की कमी के कारण अब तक कॉपियों का मूल्यांकन नहीं हो सका, जिससे परिणाम घोषित नहीं हो पा रहा है और उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य एस.बी. मिश्रा ने बताया कि चौथे सेमेस्टर की परीक्षा लगभग नौ माह पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा पांच माह पहले हुई थी, लेकिन अब तक परिणाम घोषित नहीं होने से छात्रों में आक्रोश है। छात्रों ने जल्द से जल्द रिजल्ट जारी करने की मांग की है।

धनबाद का गौरव बढ़ाने वाले इंडियन आइडल फेम अभिषेक का स्वागत

धनबाद (कासं) : धनबाद के प्रतिभाशाली युवा गायक अभिषेक ने इंडियन आइडल के मंच पर अपने शानदार गायन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से देशभर में अपनी पहचान बनाई है। सुपर८ तक के प्रेरणादायी सफर के बाद उनके धनबाद आगमन पर शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। भुईफोड़ मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उनका शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उनकी प्रतिभा, समर्पण और कठिन परिश्रम ने न केवल धनबाद बल्कि पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर भाजपा के विधायक राज सिन्हा, वरिष्ठ नेता विक्रांत उपाध्याय, अभिषेक के पिता अजय साह, समाजसेवी शांतनु चंद्रा सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक और संगीतप्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि अभिषेक भविष्य में भी अपनी मधुर आवाज़ से नई ऊँचाइयों को छुएंगे और देशभर में धनबाद का नाम और अधिक रोशन करेंगे।

डीसी के निर्देश पर जिले के सभी आवासीय विद्यालयों में व्यापक निरीक्षण

धनबाद (कासं) : गढ़वा जिले के खरौंधी प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में दूषित पानी और दूषित भोजन के सेवन से भारी संख्या में छात्राओं के बीमार होने की घटना को राज्य सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। राज्य सरकार से प्राप्त उच्च स्तरीय निर्देशों के आलोक में, धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन के आदेशानुसार जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के सभी आवासीय विद्यालयों में विशेष जांच अभियान चलाया।

उपायुक्त के निर्देश के आलोक में विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर, वर्ग कक्ष की साफ सफाई विशेष कर रसोई घर भंडार कक्ष एवं रसोइयों का व्यक्तिगत साफ सफाई का अवलोकन किया इस संबंध में आवश्यक सलाह भी दिया गया भोजन पकाने एवं बच्चों को भोजन परोसने तक साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने को भी कहा गया है। साथ ही सभी सभी पैक्ड सामानों की पैकिंग एवं एक्सपायरी डेट की विशेष रूप से ध्यान रखने का सुझाव दिया गया।

उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि सभी आवासीय विद्यालयों के चापाकल, जल मीनार और आरओ सिस्टम की तुरंत सफाई कराई जाए। पेयजल स्रोतों की नियमित ब्लीचिंग करने तथा पानी के सैंपल की लैब टेस्टिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि दूषित जल की संभावना को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

निरीक्षण टीमों ने स्टोर रूम में रखे चावल, दाल, तेल, मसाले और अन्य खाद्य सामग्रियों के एक्सपायरी डेट और गुणवत्ता की जांच की।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि सड़ीमली या घटिया स्तर की सामग्री पाए जाने पर संबंधित वेंडर और विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ सीधे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भोजन पकाने के स्थान पर ड्रेनेज, साफसफाई और बर्तनों की स्वच्छता का जायजा लिया गया। रसोइयों को अनिवार्य रूप से साफ कपड़े और हेडकैम्प पहनने तथा खाना ढककर रखने की हिदायत दी गई।

सभी वार्डन को निर्देशित किया गया है कि छात्राओं को मीनू के अनुरूप ही पौष्टिक और ताजा भोजन दिया जाए। किसी भी परिस्थिति में बासी भोजन परोसने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने कहा कि आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गढ़वा की घटना से सीख लेते हुए धनबाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी भी संस्थान में भोजन या पानी की गुणवत्ता में कमी पाई गई, तो जिम्मेवार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्व. प्रभुनाथ सिंह की पुण्यतिथि मनी

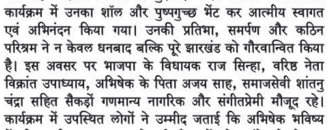

सिन्दरी (ससे) : शहरपुरा स्थित प्रभु धाम में स्व. प्रभुनाथ सिंह की १०वीं पुण्यतिथि संकल्प दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम में उनके सुपुत्र दिनेश सिंह एवं कामेश्वर सिंह सहित उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर दिनेश सिंह ने कहा कि स्व. प्रभुनाथ सिंह के विचार, जनसेवा और समाजहित का संकल्प आज भी प्रेरणा देता है। वहीं कामेश्वर सिंह ने कहा कि उनके पिता ने जीवनभर गरीबों की आवाज बनकर अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया और परिवार आज भी उनके आदर्शों पर चल रहा है। कार्यक्रम में रणधीर सिंह, रास बिहारी सिंह, सुरेश प्रसाद, मणि भूषण सिंह, साहेब राम हेंब्रम सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उपायुक्त ने विकास योजनाओं की समीक्षा की

गिरिडीह (ससे): समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समन्वय-सह-समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को योजनाओं का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्य किसी भी परिस्थिति में प्रभावित नहीं होने चाहिए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभुकों को लाभान्वित करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करने, योजनाओं की जमीनी प्रगति का सतत अनुश्रवण करने तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को लंबित म्यूटेशन मामलों का त्वरित निष्पादन करने तथा तकनीकी समस्याओं का समाधान कर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही श्रम, ऊर्जा, कल्याण एवं शिक्षा विभाग से संबंधित भूमि हस्तांतरण के लंबित मामलों का भी शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखें ताकि पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।

आंगनबाड़ी केंद्रों एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने सभी अंचलाधिकारियों को भूमि हस्तांतरण (लैंड ट्रांसफर) की लंबित प्रक्रियाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि भूमि हस्तांतरण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक विलंबता विकास कार्यों को प्रभावित करती है, इसलिए सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करें, ताकि आंगनबाड़ी केंद्रों एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों के निर्माण एवं संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन संस्थानों का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए लैंड ट्रांसफर से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

अनुश्रवण कर योजनाओं में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नगर निगम क्षेत्र की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने नगर आयुक्त को बिजली के खंभों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए विज्ञापनों को तत्काल हटाने तथा संबंधित एजेंसियों से रिकवरी की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से पचंबा रोड पर लगे अवैध विज्ञापनों को प्राथमिकता के आधार पर हटाने को कहा। साथ ही पुराने जेल परिसर में संचालित कार्यालयों को नगर निगम के पुराने भवन में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना, कृषि यंत्रीकरण योजना एवं सब्सिडी आधारित ट्रैक्टर वितरण योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि इन योजनाओं का गांव-गांव तक व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिकाधिक किसान इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग एवं सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था को बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि एवं कृषि उत्पादन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए। वहीं पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभाग द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा पात्र पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों को योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लाभुकों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे, ताकि पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका को भी सशक्त बनाया जा सके।

बैठक में अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी कार्यपालक अभियंता, सभी अंचलाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में बीएसएल की नई पहल

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग ने महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए २९ जून को 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया है. इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत 'रचयित्री' प्रोजेक्ट के तहत बोकारो के परिक्षेत्रीय गांवों की ज़रूरतमंद महिलाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने हेतु कांथा स्टिच एम्ब्रॉयडरी, ब्यूटी थेरेपिस्ट कोर्स और ऑर्गेनिक साबुन बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. इस अवसर पर बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन के साथ महाप्रबंधक (सीएसआर), 'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' की सेक्रेटरी सुश्री डोलन मुखर्जी सहित सीएसआर टीम के सदस्य उपस्थित थे.

'डोलन्स बुटीक एंड हैंडीक्राफ्ट ट्रस्ट' ने इस प्रोजेक्ट के महत्व और इससे जुड़ी महिलाओं को होने वाले फायदों के बारे में इस दौरान जानकारी साझा की. ज्ञातव्य है कि इस प्रोजेक्ट में बोकारो के आस-पास के क्षेत्रों की २५ ज़रूरतमंद महिलाओं को शामिल किया जाएगा, जिन्हें कांथा स्टिच, ऑर्गेनिक साबुन बनाना और ब्यूटीशियन कोर्स की ट्रेनिंग दी जाएगी. पूरे प्रोजेक्ट की अवधि १२ महीने है, जिसमें प्रशिक्षण प्रदान कर हैंडहोल्डिंग और प्रोजेक्ट से जुड़ी महिलाओं के लिए आय के साधन सुनिश्चित करना शामिल है. यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने परिधीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है. कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर बीएसएल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि निगमित सामाजिक दायित्व

बोकारो में कलाकारों ने संगीतकार आर डी बर्मन को दी स्वरमयी श्रद्धांजलि

बोकारो (ससे): फिल्म संगीत के मशहूर संगीतकार राहुल देव बर्मन (आर डी बर्मन) की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार की देर शाम सेक्टर १२ में बोकारो के कलाकारों ने संगीत संध्या आयोजित कर उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले रमण चौधरी व रागिनी सिन्हा अंबष्ठ के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत चर्चित गायक अरुण पाठक, रमण चौधरी, गायिका रंजू सिंह, सुनीता गुप्ता, रंजना सिन्हा, रिद्धिमा रिया, शिक्षक नीरज सिंह, मंच संचालक पूर्णेंदु कुमार सिंह द्वारा आर डी बर्मन की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई।

गायक अरुण पाठक ने कहा कि आर डी बर्मन प्रयोगधर्मी संगीतकार थे। उनके संगीत में परंपरा व आधुनिकता का अच्छा सम्मिश्रण देखने को मिलता है। आर डी बर्मन ने १९६० के दशक से १९९० के दशक तक ३३१ फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया और अपनी रचनात्मकता से सभी का ध्यान आकृष्ट किया। रमण चौधरी ने कहा कि आर डी बर्मन फिल्म संगीत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित संगीतकारों में से एक थे। शिक्षक नीरज सिंह ने कहा कि उनका संगीत नयी पीढ़ी को भी आकर्षित करता है।

इस अवसर पर कलाकारों ने आर डी बर्मन के कुछ यादगार गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से उन्हें याद किया। गायक अरुण पाठक ने 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना...', 'जिस गली में तेरा घर ना हो बालमा...', 'मैंने पूछा चांद से...' 'मेरे नैना सावन भादो, फिर भी मेरा मन प्यासा...', 'एक दिन बिक जायेगा माटी के मोल, जग में रह जाएंगे प्यारे तेरे बोल...' आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। रमण चौधरी ने 'तुमने मुझे देखा...', 'सुहानी चांदनी रातें...', 'चेहरा है या चांद खिला है...', 'राम का नाम बदनाम ना करो...', रंजना सिन्हा ने 'रिमझिम गिरे सावन...', सुनीता गुप्ता ने 'बांहों में चले आओ...' व अरुण पाठक के साथ युगल गीत 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को नज़र नहीं चुराना सनम...', रिद्धिमा रिया ने 'तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया...', रंजू सिंह ने 'रैना बीती जाय श्याम ना आए..', 'दम मारो दम...' सहित कई एकल व युगल गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। इस अवसर पर श्वेता प्रियदर्शिनी, किरण, प्रीति सिंह आदि उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की

डुमरी (ससे): भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक श्रीवास्तव ने सोमवार को एक प्रेस बयान जारी करके कहा है कि भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार को मिली जान से मारने की धमकी पर पुलिस प्रशासन शीघ्र कार्रवाई करे अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।कहा है कि मुहर्रम के दौरान इसरी बाजार में लगाए गए इस्लाम जिंदाबाद लिखे कट-आउट तथा लक्ष्मणटुंडा में दो समुदायों के बीच हुए विवाद को लेकर जिप सदस्या सुनीता कुमारी एवं भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार द्वारा प्रशासन के समक्ष आपत्ति जताई थी।इसके बाद भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार को मुंबई से फोन के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई।

इस संबंध में निमियाघाट थाना में लिखित शिकायत देकर मामले की जांच एवं दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।परंतु आवेदन दिए जाने के चार दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से अब तक किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।भाजपा पुलिस प्रशासन से मांग करती है कि मामले की निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।यदि पुलिस प्रशासन जल्द उचित कदम नहीं उठाती है तो डुमरी भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

बीसीसीएल द्वारा माँ दुःखहरणी धाम में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित

धनबाद (कासं) : कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बीसीसीएल में १६ जून से ३० जून तक आयोजित किए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत आज 'स्वच्छता सभी की जिम्मेदारी है (स्वच्छता इज़ एवरीवन्स बिज़नेस)' विषय पर बस्ताकोला क्षेत्र द्वारा झरिया स्थित माँ दुःखहरणी धाम में विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान बस्ताकोला क्षेत्र के महाप्रबंधक ने सर्वप्रथम माँ दुःखहरणी धाम में विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की तथा इसके उपरांत स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करते हुए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई में सहभागिता की। इस अवसर पर मंदिर परिसर एवं उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से बस्ताकोला क्षेत्र की ओर से मंदिर प्रबंधन समिति को दो डस्टबिन भी उपलब्ध कराए गए। अभियान के माध्यम से धार्मिक स्थलों की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर बीसीसीएल के अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों ने स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक श्रमदान किया और स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने 'स्वच्छता सभी की जिम्मेदारी है' के संदेश को व्यवहार में अपनाने तथा समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में १६ जून से प्रारंभ 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत अब तक स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सालयों में स्वच्छता अभियान, तालाबों, जल स्रोतों एवं कॉलोनियों की साफ-सफाई, झाड़ियों एवं अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई, वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निरीक्षण, सिग्नेचर अभियान, सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, परियोजना विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिताएँ एवं स्वच्छता रैलियाँ, पौधारोपण अभियान तथा साइबर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम जैसी विभिन्न गतिविधियाँ सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। इसी क्रम में आज धार्मिक स्थल पर आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान के माध्यम से जनसहभागिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और सुदृढ़ किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के समापन अवसर पर कल कंपनी द्वारा पर्यटन स्थल पर विशेष स्वच्छता अभियान के माध्यम से स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक स्थलों के निर्माण के संदेश को और व्यापक रूप से प्रसारित किया जाएगा। इसके साथ ही बीसीसीएल में १६ जून से जारी स्वच्छता पखवाड़ा का औपचारिक समापन भी किया जाएगा।

शैक्षणिक भ्रमण छात्र-छात्राओं का बोधगया रवाना

गिरिडीह (ससे): सरिया प्रखंड के बंदखारो स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बंदखारो की ओर से आज भैया - बहनों ,अभिभावकों का दल प्रधानाचार्य के नेतृत्व में शैक्षिक भ्रमण के लिए विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष अजय कुमार ने बोधगया के लिए प्रस्थान किया । प्रधानाचार्य अर्जुन प्रसाद आर्य ने बताया कि विद्या भारती शैक्षिक भ्रमण के जरिए छात्रों को समृद्ध बनाने और उनकी सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने का प्रयास करती है । कक्षा में पढ़ाई के अलावा बच्चों को वास्तविक दुनिया से जुड़े अनुभव विभिन्न संस्कृतियों , ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों और अलग-अलग वातावरण से परिचित कराना हमारा मुख्य उद्देश्य है ।

इससे छात्रों के बीच समूह कार्य , संवाद, अवलोकन और पूछताछ के जरिए आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान की भावना का विकास होता है। भैया - बहनों ,अभिभावकों, आचार्यों का दल बोधगया, बोधिवृक्ष, बौद्ध मंदिरों और उसकी कलाकृतियों को बारीकी से अवलोकन किया । कार्यक्रम में गीता कुमारी वर्मा , सरिता कुमारी, ललिता कुमारी, पुष्पा कुमारी, धीरज कुमार , हेमंती कुमारी, प्रतिमा कुमारी, दुर्गी देवी , कविता,पेहल, कल्पना, जयरानी, जीवन रानी, सुरभि , साक्षी , शिवानी,देवहर्ष सहित भैया - बहनों ने भाग लिया।

बैंकों का ऋण वितरण संतोषजनक नहीं, प्रदर्शन में शीघ्र सुधार लाएं : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति (डीसीसी), जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) एवं आरसेटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों के क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) रेशियो की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक एवं जना स्मॉल फाइनेंस बैंक आदि बैंकों के असंतोषजनक सीडी रेशियो पर गहरी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने संबंधित बैंकों को अगली बैठक में बोकारो के सीडी रेशियो की तुलना राष्ट्रीय एवं राज्य औसत के साथ प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि बैंकों द्वारा ऋण वितरण का वर्तमान रवैया संतोषजनक नहीं है। उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा जिले के आर्थिक विकास में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्तमान प्रदर्शन निराशाजनक है। उन्होंने सभी बैंकों को अपने प्रदर्शन में तत्काल सुधार लाने का निर्देश दिया। साथ ही, उप विकास आयुक्त, एलडीएम, नाबार्ड, आरबीआई के प्रतिनिधि को नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि जिले के लोगों को छोटे-छोटे ऋण उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। झारखंड औद्योगिक (जियाडा) क्षेत्र में लगभग ३०० औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। इनके विकास एवं विस्तार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने को लेकर बैंकों को समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने प्रत्येक बैंक को कम-से-कम दो सफल ऋण लाभार्थियों की सक्सेस स्टोरी तैयार कर

जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।डीडीसी की अध्यक्षता में इनका चयन किया जाएगा तथा बेहतर सक्सेस स्टोरी का प्रकाशन जिला प्रशासन द्वारा कराया जाएगा।

बैठक में आगामी १५ जुलाई तक कृषि क्षेत्र के लिए सभी बैंकों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि मानसून में विलंब को देखते हुए खरीफ फसल पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अधिकाधिक किसानों को फसल ऋण, केसीसी उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए।

उन्होंनेएलडीएम, आरबीआई के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारियों को डिजिटल टूल्स के माध्यम से बैंकों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में कौन-से बैंक सक्रिय हैं तथा किनका प्रदर्शन कमजोर है, इसका समुचित आकलन करने को कहा। उपायुक्त ने बैंकों को आम लोगों से जुड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छोटे व्यवसायियों, किसानों एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, फसल ऋण, शिक्षा ऋण एवं क्रेडिट लिंकेज योजनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने जेएसएलपीएस को बैंक प्रतिनिधियों के साथ स्वयं सहायता समूहों की बैठक एवं एक्सपोजर विजिट आयोजित करने का निर्देश दिया। कृषि विभाग, नाबार्ड एवं आईडीएम को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने को कहा।

बैठक के दौरान बैंक प्रतिनिधियों की अपेक्षित सहभागिता एवं संवाद की कमी पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों में बैंक प्रतिनिधि पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ भाग लें तथा सक्रिय संवाद सुनिश्चित करें। बैठक में आरसेटी के वार्षिक कार्ययोजना एवं विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) प्रकाश चंद्र मिश्रा, डीडीएम नाबार्ड समीना रंजन, आरबीआई के प्रतिनिधि शशांक एस. तिर्की, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न बैंकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

धनबाद में सांसद क्षेत्र में ढुल्लू से बड़ा कोई माफिया नहीं : अरूप चटर्जी

धनबाद (कासं) : धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के बयान को लेकर निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने मोर्चा खोल दिया है। सांसद द्वारा उनके स्व. पिता पर की गई टिप्पणी से नाराज विधायक ने धनबाद परिसदन में प्रेस वार्ता कर सांसद के बयान की कड़ी निंदा की। अरूप चटर्जी ने कहा कि उनके पिता हमेशा मजदूरों के हित के लिए संघर्ष करते रहे और आज भी उनके शहादत दिवस पर बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचते हैं।

उन्होंने सांसद ढुल्लू महतो पर निशाना साधते हुए कहा कि सांसद खुद को हरिश्चंद्र बताते हैं और दूसरों को माफिया कहते हैं, जबकि उनके कई मामलों की जांच होनी चाहिए। विधायक ने आरोप लगाया कि धनबाद में कोयले के अवैध कारोबार में सांसद की बड़ी भूमिका है और उनके बेटे भी इसी कारोबार में लगे हुए हैं। अरूप चटर्जी ने कहा कि सांसद हार्डकोक उद्योग को बर्बाद करने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खुद कई हार्डकोक भट्ठों का संचालन कर चोरी के कोयले को खपाया जा रहा है।

विधायक ने कहा कि धनबाद में सांसद से बड़ा माफिया कोई नहीं है। उन्होंने सांसद के सीबीआई और ईडी जांच वाले बयानों पर भी हमला बोला और कहा कि अगर सांसद खुद को बेदाग मानते हैं तो जांच से क्यों डरते हैं। विधायक ने कहा कि अगर सांसद सच में गरीबों के मसीहा हैं तो उनके नाम पर कैंजे वाली जमीन गरीबों को दान कर देनी चाहिए।

फ्लाईओवर विवाद को लेकर भी अरूप चटर्जी ने सांसद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गोविंदपुरनिरसा एलिवेटेड फ्लाईओवर की मांग क्षेत्र की जनता की थी और यह योजना सांसद बनने से पहले ही स्वीकृत हो चुकी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद सिर्फ श्रेय लेने की राजनीति कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि धनबाद का गया पुल विधायक राज सिन्हा के प्रयासों का परिणाम है, लेकिन सांसद उस पर भी अपना श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद केंद्र सरकार से आज तक एक नाला तक का फंड पास नहीं करा पाए।

फ्लाईओवर निर्माण में कमीशन के आरोपों पर अरूप चटर्जी ने कहा कि उनका विरोध सिर्फ इस बात को लेकर है कि टेंडर लेने वाली कंपनी काम को कोयला माफियाओं के हाथों न सौंपे। उन्होंने गोपालीगंज क्षेत्र की जमीन और वसूली को लेकर भी सांसद पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि निरसा में कोई धमका कर काम नहीं कर सकता। विधायक ने सांसद पर रंगदारी और अवैध कोयला कारोबार के आरोप लगाते हुए कहा कि जो व्यक्ति खुद आरोपों से घिरा है, वह दूसरों को बदनाम करने में लगा है। अरूप चटर्जी ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को ऐसे व्यक्ति को टिकट देने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वर्ष २०२९ में भाजपा ऐसे व्यक्ति को टिकट नहीं देगी। साथ ही उन्होंने सांसद को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें दम है तो निर्दलीय चुनाव लड़कर दिखाएं।

विशेष गहन पुनरीक्षण जागरूकता अभियान, छात्रछात्राओं ने निकाली रैली

धनबाद (कासं) : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण जागरूकता अभियान के तहत प्राण जीवन अकेडमी प्लस टू उच्च विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां संचालित कराई गईं, जिसमें छात्रछात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय के प्राचार्य मिथिलेश लाल कर्ण ने बताया कि यही छात्रछात्राएं आने वाले समय के मतदाता हैं, इसलिए इन्हें जागरूक मतदाता बनाने और अपने परिजनों को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रति सजग करते हुए जागरूक करना है। अभियान में बच्चों ने मतदान प्रक्रिया को लेकर मॉक ड्रिल किया, साथ ही पोस्टर, बैनर, पेंटिंग एवं क्विज प्रतियोगिता के अलावा कई अन्य गतिविधियां कराई गईं। अंत में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के पोस्टर संग बच्चों ने जागरूकता रैली भी निकाली। क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्या कुमारी ने प्रथम स्थान, सिमरन कुमारी ने द्वितीय स्थान एवं मुस्कान कुमारी एवं रोनीत रॉय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बीएलओ पर्यवेक्षक अमित कुमार गुप्ता ने सभी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस अभियान की सफलता के लिए जागरूकता संदेश को अधिक से अधिक घरों तक पहुंचाने की अपील की है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से शिक्षिका श्रवणी चटर्जी, श्याम कुमार, गीता कुमारी, अपर्णा कुमारी, अनुराग कुमार आदि की सराहनीय भूमिका रही।

आउटसोर्सिंग कंपनी में रहा तनाव पूर्ण माहौल

पुटकी (ससे) : पीबी एरिया क्षेत्र के गोपालीचक कोलियरी अन्तर्गत संचालित सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग कंपनी में सुबह से ही माहौल तनावपूर्ण रहा। सूत्रों के अनुसार सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग कंपनी का अनुबंध समाप्त हो गया है। डीओ धारकों को तय मानकों का गुणवत्तापूर्ण कोयला आपूर्ति नहीं किये जाने से, डीओ धारक आक्रोशित थे। डीओ धारकों का आरोप है कि सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन का शुरू से हमलोगों के साथ भेदभाव किया जाता रहा है। कोयले के जगह छाई और पत्थर युक्त कोयला दिया जाता था। जबकि अच्छे क्वालिटी का कोयला सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन अपने डीओ धारकों को देता था, पर हमलोगों को कोयला आपूर्ति नहीं किया गया है। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए धनबाद डीएसपी विधिव्यवस्था प्रकाश सोय मौके पर उपस्थित थें। पुटकी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वक्कार हुसैन दलबल के साथ उपस्थित थे। केन्दुआडीह, लोयाबाद, भागाबांध, मुनीडीह थाना के पदाधिकारियों दलबल के साथ उपस्थित थे। मौके पर पीबी एरिया के महाप्रबंधक जी सी साहा स्वयं पहुँच कर डीओ धारकों से वार्ता किये। उन्होंने महापौर संजीव सिंह से फोन पर बात कर समय से उचित मानक का कोयला आपूर्ति नहीं करने पर खेद प्रकट करते हुए, जल्द से जल्द नये अनुबंध के लागू होते ही गुणवत्तापूर्ण कोयला आपूर्ति का अश्वासन दिये। जिसके बाद मामला शांत हुआ। पुटकी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वक्कार हुसैन ने कहा कि महाप्रबंधक के साथ डीओ धारकों का वार्ता संतोषजनक रहा। अभी स्थिति समान्य है।

दीक्षा महिला मंडल ने की असहाय लोगों के बीच सामग्रियों का वितरण

पुटकी (ससे) : दीक्षा महिला मंडल के बैनर तले चलाए जा रहे सामाजिक कार्य के तहत प्रगति महिला समिति पुटकी बलिहारी के सौजन्य से बरसात को देखते हुए पुटकी आफिसर्स क्लब के प्रागंण में ४० असहाय लोगों के बीच मच्छरदानी, छतरी, फिनाइल, ब्लिचिन्ग पाउडर, बिस्किट आदि समाग्रियों का वितरण किया गया।

कोऑपरेटिव सोसाइटी में पौधारोपण कार्यक्रम

जोड़ापोखर (ससे) : कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, जेलगोरा में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना पदाधिकारी, प्रबंधक (मानव संसाधन) सहित समिति के पूर्व प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, वर्तमान पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था भविष्य में भी सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए पर्यावरण संरक्षण और कर्मचारियों के हित में बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर तत्पर रहेगी। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा पौधों के संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लेने के साथ हुआ। इस कार्य क्रम में उपस्थित धर्मेन्द्र राय, अमरजीत यादव, उमाशंकर साही एवम अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

मशीन की चपेट में आने से कर्मी घायल

धनबाद (कासं) : जालान फैक्ट्री में काम करने के दौरान एक कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में आजाद नगर लाल भवन के पास रहने वाले ५० वर्षीय अकरम खान मशीन की चपेट में आ गए। घायल अकरम खान पिछले करीब २० वर्षों से फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है।

घायल के करीबी नौशाद ने बताया कि अकरम खान पिछले करीब २० वर्षों से फाइटर के रूप में काम कर रहे थे। हादसे के समय वह मशीन के बेल्ट के पास कुछ काम कर रहे थे। इसी दौरान किसी अन्य व्यक्ति ने मशीन का स्विच ऑन कर दिया, जिससे बेल्ट तेजी से घूमने लगा और अकरम खान उसकी चपेट में आ गए। बेल्ट की तेज रफ्तार के कारण वह दूर जा गिरे, जिससे उनकी पीछे की हड्डी टूट गई। नौशाद के अनुसार डॉक्टरों ने अकरम खान की हालत गंभीर बताई है और उनके बचने की संभावना काफी कम बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रोसेकर बुरा हाल है। घायल के परिजनों और करीबियों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अगर मशीन के स्विच के पास सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी होती तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में पहले भी कई दुर्घटनाएं सामने आ चुकी हैं, ऐसे में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीरता बरतने की जरूरत है।

शांति भवन में नवनिर्मित शौचालय का लोकार्पण

धनबाद (कासं) : बैकमोड़ स्थित शांति भवन के मुख्य परिसर में वर्षों से जर्जर हालत में पड़े शौचालय का जीर्णोद्धार कर विधिवत उद्घाटन किया गया। परिसर में आयोजित समारोह में समाजसेवी दिलीप सिंह एवं शांति भवन के अध्यक्ष ददन सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नवनिर्मित सुविधा को जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर दिलीप सिंह ने स्वच्छता को विकास की पहली सीढ़ी बताते हुए कहा, यह निर्माण कार्य ईंटसीमेंट से बनी एक संरचना मात्र नहीं है। यह हमारे सामाजिक सरोकार, नागरिक बोध और आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य के प्रति हमारी जवाबदेही का जीवंत प्रतीक है। जब हम सार्वजनिक सुविधाओं को संवारते हैं, तो वास्तव में हम समाज के चरित्र को संवारते हैं।

शांति भवन जैसे प्रतिष्ठित परिसर में यह सुविधा मिलने से यहां आने वाले सैकड़ों लोगों, बुजुर्गों और महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी। अध्यक्ष ददन सिंह ने जानकारी दी कि मुख्य परिसर का यह शौचालय बीते कई वर्षों से जर्जर स्थिति में था। छत टूटी थी, दरवाजे गायब थे और गंदगी के कारण इसका उपयोग लगभग बंद हो चुका था। इससे परिसर में होने वाले कार्यक्रमों के दौरान लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। संस्था के पदाधिकारियों और समाजसेवियों के सहयोग से अब इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनः तैयार किया गया है। उद्घाटन समारोह में सचिव राहुल कुमार सिंह, सह सचिव दिलीप मुखर्जी, रमेश दुबे, दिलीप किशोर, शेखर गुप्ता, समीर सिंह, मदन महतो, राजीव अग्रवाल, गजेंद्र अग्रवाल समेत क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे 'स्वच्छ भारत' अभियान की दिशा में एक सार्थक कदम बताया। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया और परिसर को स्वच्छ बनाए रखने की सामूहिक अपील की गई।

स्वरचित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : निदेशक (मानव संसाधन) भारत कोकिंग को लिमिटेड के निर्देशानुसार अनुसार राजभाषा के प्रचार प्रसार हेतु प्रत्येक माह एक कार्यक्रम करना अनिवार्य है इसी के तहत इस माह सुबह १०:३० बजे बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक स्वरचित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार प्रसार हेतु आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक (मानव संसाधन) तारकेश्वर रजक साहब एवं नोडल अधिकारी राजभाषा पंकज साल्वे साहब उपस्थित अन्य अधिकारी दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किए, इसके बाद राष्ट्रगान एवं कोल इंडिया का गीत बजाया गया उसके सम्मान में सभी खड़े हुए इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में डीएवी के हिंदी शिक्षक अरविंद कुमार उपाध्याय एवं लोदना क्षेत्र जयरामपुर कोलियरी के सहायक प्रबंधक अभिजीत कुमार को प्रबंधक मानव संसाधन तारकेश्वर रजक ने पुस्तक भेंट कर स्वागत किए। प्रबंधक मानव संसाधन तारकेश्वर रजक ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दिए और साथ ही और ज्यादा ज्यादा हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किए पूरे कार्यक्रम का संचालन वरीय लिपिक राजभाषा विश्वनाथ धीबर ने किया। इस प्रतियोगिता में राकेश कुमार, देवेंद्र कुमार साव, रानी गोस्वामी, अहिल्या देवी, कुणाल प्रसाद, सुखदेव पासवान, हीरु कुमार, संध्या कुमारी डॉ० रॉकी, बिट्टू कुमार, नेहा चौधरी, प्रियंका कुमारी, अविनाश कुमार, दशरथ महतो, उदय शंकर उपाध्याय, शिव प्रसाद राय, सुब्रत कुमार, डॉक्टर रॉकी कुमार, अवनी कुमार महतो, सुखलाल मरांडी, अनामिका कुमारी, आशीष कुमार, गौरांग, जया इंदु, सुमन मल्होत्रा, शालिनी सलोमी कुजूर कुल २८ प्रतिभागी भाग लिए। सभी ने बहुत अच्छेअच्छे स्वरचित हिंदी कविता का

पाठ किया किसी ने हिंदी पर कहा किसी ने देश पर कहा किसी ने वर्तमान स्थिति पर कहा सभी ने बेहतरीन स्वरचित काव्य पाठ प्रस्तुत किया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दो प्रतिभागी रानी गोस्वामी एवं उदय शंकर उपाध्याय प्रथम स्थान डॉ रॉकी एवं देवेंद्र कुमार साव द्वितीय स्थान नेहा चौधरी एवं अनामिका कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त किये इन्हें नगद राशि प्रमाण पत्र एवं कलम देकर सम्मानित किया गया। बाकी अन्य सभी प्रतिभागी को जिन्होंने इस प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी को प्रमाण पत्र और कलम दिया गया। सभी को क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन अमित कुमार महतो साहब ने सम्मानित किए।

सेवानिवृत्त प्रभारी प्रधानाध्यापक को दी गई विदाई

लोयाबाद (ससे) : बाँसजोड़ा मध्य विद्यालय में सेवानिवृत्त प्रभारी प्रधानाध्यापक रामेश्वर दास के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, छात्रछात्राओं तथा शिक्षकों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके लंबे, अनुशासित और समर्पित शैक्षणिक जीवन को याद किया।

रामेश्वर दास १ जून २०२६ को अपने पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे। उनके सम्मान में आयोजित समारोह में विद्यालय के नए प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार राय ने उन्हें फूल-माला पहनाकर, गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें उपहार स्वरूप अंगवस्त्र, शॉल, छाता, अटैची सहित अन्य उपयोगी सामग्री भेंट की गई। समारोह के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित स्वैच्छिक सेवानिवृत्त शिक्षिका अंचला सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि रामेश्र दास अपने पूरे कार्यकाल में अत्यंत शांत, सरल और सौम्य स्वभाव के शिक्षक रहे। उन्होंने हमेशा अनुशासन को प्राथमिकता दी और कभी किसी के साथ कठोर व्यवहार नहीं किया। वे समय के बेहद पाबंद थे तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे। उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली से विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र सदैव प्रेरणा लेते रहेंगे।

इस अवसर पर कई शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि रामेश्वर दास का स्नेह, मार्गदर्शन और शिक्षा के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। उनके योगदान ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं अनुशासनिक व्यवस्था को नई पहचान दिलाई।

पूरे समारोह के दौरान भावुक माहौल बना रहा। अंत में सभी ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार राय, आफताब आलम, नूर आलम, जी.के. सोम, शेखर शर्मा आदि का अहम् योगदान रहा।

जिला एथलेटिक मीट का उद्घाटन, कई खेलों का हुआ आयोजन

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला एथलेटिक मीट का उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी, उमेश लोहरा के कर कमलों द्वारा झंडोत्तोलन कर किया गया। उन्होंने अपने भाषण में धनबाद के खिलाड़ियों को भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिए। इस प्रतियोगिता में धनबाद जिले के कम से कम २० टीमें एवं व्यक्तिगत रूप से करीब ६५० की संख्या में लड़कें एवं लड़कियों ने भाग लिया। आज के खेले गए प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहा। बालक १२ वर्षों से कम ग्रुप में शिवम राज, आदित्य राज एवं हर्षीश कुमार क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। बालक १६ वर्ष से कम उम्र वर्ग में गोला फेंक में आदर्श जय दास, अवनिन्द्र कुमार एवं मधुर शर्मा क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। १८ वर्ष से कम उम्र वर्ग में १ हजार मीटर के दौड़ में जीवन कुमार, आदित्य तिवारी एवं छोटू कुमार साव क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेंक में १८ वर्ष से कम उम्र में आमिर रिजवान, शुभम रजक एवं ओम गुप्ता क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। महिला/लड़कियों के ग्रुप में १२ वर्ष से कम आयु वर्ग में जोनिता कुमारी, अनन्या कुमारी एवं ईशिता कुमारी ६० मीटर के दौड़ में क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। १६ वर्ष के कम आयु वर्ग के ६० मीटर दौड़ में नीलक्षी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी एवं शीतल कुमारी क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे।

१८ वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कियों के ४०० मीटर दौड़ में शालु कुमारी, स्नेहा मंडल, रेणु मिश्रा क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे। २० वर्ष से कम आयु वर्ग में तृषा सेन, जूही कुमारी एवं बबीता कुमारी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपना वर्चस्व कायम किया। एथलेटिक मीट को सुचारू रूप से परिचालन करने में; मो० जुबैर आलम, तारकनाथ दास, सुनील मिश्रा, तरुण कुमार पाल, पी० एन० बनर्जी, जयराम भगत, अभिजीत पात्रा एवं संघ के अध्यक्ष किरण रानी नायक का पूरा योगदान रहा।

कोयला भवन में एमएसई वेंडर्स मीट का आयोजन

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में आज सामग्री प्रबंधन विभाग, बीसीसीएल द्वारा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसई) 'वेंडर्स मीट' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कंपनी एवं उसके पात्र वेंडर्स/ठेकेदारों के बीच आपसी समन्वय एवं संवाद को सुदृढ़ करते हुए खरीद एवं भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं को अधिक सुचारू, त्वरित, पारदर्शी एवं बाधारहित बनाना था। कार्यक्रम के दौरान बीसीसीएल की खरीद प्रणाली, भुगतान संबंधी नियमों एवं नवीनतम प्रावधानों की जानकारी साझा की गई, जिससे वेंडर्स इन प्रक्रियाओं से भलीभांति अवगत हो सकें और खरीद प्रणाली में उसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर महाप्रबंधक/ विभागाध्यक्ष (सामग्री प्रबंधन) आनंद कुमार, महाप्रबंधक (उत्खनन) श्री आर.के. सिन्हा महाप्रबंधक (ई एंड एम) आई.पी. सिंह, महाप्रबंधक (सिस्टम) डी.पी. मिश्रा सहित सामग्री प्रबंधन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के वेंडर्स, उनके प्रतिनिधियों एवं संविदाकारों ने

अपनी सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के औपचारिक स्वागत एवं कोल इंडिया गीत के साथ की गई। महाप्रबंधक/ विभागाध्यक्ष (सामग्री प्रबंधन) आनंद कुमार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी सार्वजनिक उपक्रम की प्रगति में उसके कर्मचारियों एवं कार्यबल के साथसाथ संस्थान से जुड़े विभिन्न हितधारकों एवं साझेदारों का भी समान रूप से महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य कंपनी एवं उसके पात्र वेंडर्स के साथ विश्वास एवं पारदर्शिता पर आधारित मजबूत संबंध स्थापित करना है, जिससे खरीद प्रणाली से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जा सके।

इसके उपरांत इनवॉयसमार्ट के प्रतिनिधि विनय कुमार मिश्रा ने प्लेटफॉर्म पर विस्तृत पॉवरप्वाइंट प्रस्तुति देते हुए भारत के प्रमुख प्लेटफॉर्म के रूप में इनवॉयसमार्ट की विशेषताओं, कार्यप्रणाली तथा एमएसएमई के लिए उपलब्ध विभिन्न लाभों एवं सुविधाओं की जानकारी दी।

तत्पश्चात सामग्री प्रबंधन विभाग की ओर से उपप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) विक्की आनंद ने बीसीसीएल की खरीद प्रणाली पर विस्तृत तकनीकी प्रस्तुति दी। उन्होंने बीसीसीएल के संक्षिप्त परिचय के साथ एमएसएमई की परिभाषा, सार्वजनिक खरीद नीति२०१२ एवं उसके संशोधनों/लाभों, महिला एवं एससी/एसटी स्वामित्व वाले एमएसएमई हेतु प्रावधानों, सार्वजनिक खरीद नीति के अपवादों, ळमड् पोर्टल के माध्यम से खरीद प्रक्रिया, निविदाओं में होने वाली सामान्य त्रुटियों, ळमड् पर सार्वजनिक खरीद नीति के लाभ प्राप्त करने संबंधी प्रावधानों, अनुभव मानदंडों में उपलब्ध छूट, बीसीसीएल द्वारा नियमित रूप से क्रय किए जाने वाले एमएसई आरक्षित उत्पादों, 'मेक इन इंडिया' नीति के प्रावधानों, ज्त्मकै के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे एमएसएमई संबंध एवं एमएसएमई समाधान पोर्टल, एमएसई गुणवत्ता सुधार तथा नवीनतम सुविधाओं जैसे बिड रिप्रेज़ेन्टेशन, ऑटो एक्स्टेन्शन ऑफ़ बिड्स एवं क्यूसीबीएस (क्वालिटी एंड कॉस्ट बेस्ड सेलेक्शन) आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वेंडर प्रतिनिधियों ने खरीद एवं भुगतान प्रणाली सहित विभिन्न विषयों से संबंधित अपनी जिज्ञासाएँ एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया। अधिकारियों ने प्रतिभागियों से पारदर्शी एवं सुचारू खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं एवं अनुपालन संबंधी सभी प्रावधानों का पालन करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) शमील वारिस द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अभिनव कुमार, वरीय प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), रामदास एन., वरीय प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) सहित सामग्री प्रबंधन विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

कार्यालय- जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) एवं फ्राई कैचिंग नेट/ जाल हेतु अति अल्पकालीन निविदा खुलने हेतु सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्वार योजना के राज्यादेश संख्या 15 दिनांक 23.06.2026 के द्वारा जामताड़ा जिला में प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों को मत्स्य अण्ड बीज (स्पॉन) की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं जिनके द्वारा मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जायेगी, उन इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है। विज्ञापन प्रकाशन की गई है उसकी संख्या– PR 383146(Fish)26-27*D दिनांक 25.06.2026 है। उक्त प्रकाशन में निविदा खोलने की तिथि निर्धारित नहीं की गई थी। उक्त निविदा खोलने की तिथि दिनांक 03.07.2026 को अपराह्न 4:00 बजे उप विकास आयुक्त, जामताड़ा के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। आपूर्तिकर्त्ता स्वयं एवं उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति निविदा में भाग ले सकते है। साथ ही साथ पूर्व में जिन इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं के द्वारा फ्राई कैचिंग नेट/ जाल की निविदा डाली गई है। जिसका PR 381019(Fish)26-27*D दिनांक 30.05.2026 है। उक्त निविदादाता को भी सूचित किया जाता है कि उक्त निविदा खोलने की तिथि दिनांक 03.07.2026 को अपराह्न 4:00 बजे उप विकास आयुक्त, जामताड़ा के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। आपूर्तिकर्त्ता स्वयं एवं उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति निविदा में भाग ले सकते है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 383608 Fish (26-27)_D

कार्यालय : जिला सहकारिता पदाधिकारी, बोकारो

:- आवश्यक सूचना :-

Co-operators/सदस्यों/कृषक बंधुओं से अपील :-

कार्यालय– निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–1263, दिनांक–05.06.2026 के आलोक में जिलान्तर्गत सभी MPCS (पैक्स) में सदस्यता वृद्धि हेतु दिनांक–29.06.2026 से दिनांक– 06.07.2026 तक सहकारिता सप्ताह मनाया जाना प्रस्तावित हैं, जिसके तहत जिले में Co-operative Week अन्तर्गत निम्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है :–

क्र0	दिनांक	गतिविधियाँ	कार्यक्रम स्थल
1	29.06.2026	शपथ ग्रहण समारोह	सभी MPCS (पैक्स)
2	30.06.2026	सहकारिता सप्ताह अंतर्गत सदस्यता वृद्धि हेतु विशेष अभियान/पौधारोपण	सभी MPCS (पैक्स)/सहकारी संस्था
3	02.07.2026	दुग्ध उत्पादक/मत्स्यजीवी सहकारी समितियों में जागरूकता अभियान	संयुक्त सहकारिता भवन, बोकारो
4	03.07.2026	व्यवसायिक गतिविधियों से संबंधित जागरूकता अभियान	सभी प्रखण्ड
5	04.07.2026	सहकारिता में महिलाओं की भागीदारी	संयुक्त सहकारिता भवन, बोकारो
6	05.07.2026	जिला स्तरीय सेमिनार	संयुक्त सहकारिता भवन, बोकारो

पंचायत क्षेत्र के स्थायी निवासी–अहर्त्ताधारी प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति 110/– रू0 (प्रवेश शुल्क 10 रू0 + हिस्सा अंश 100 रू0) देकर सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

सदस्यता हेतु योग्यता –

- सदस्य/अभ्यर्थी का उम्र 18 वर्ष होना चाहिए।
- परिवार से केवल एक सदस्य होना चाहिए।
- सदस्य उसी पंचायत क्षेत्र का होना चाहिए।
- आधार कार्ड।

कृषक बंधुओं/Co-operators से अपील है कि अपने पंचायतों के MPCS (पैक्स), नजदीकी सहकारी समितियों से संपर्क कर सदस्यता ग्रहण करें एवं सहकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठावें।

निवेदक
जिला सहकारिता पदाधिकारी, बोकारो

PR 383496 Co-opretive (26-27)_D

कार्यालय, नगर परिषद, मिहिजाम

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – 03/2026–27 दिनांक–24.06.2026

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, मिहिजाम।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–04.07.2026 एवं 06.07.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न–02.00 बजे तक।
3. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– नगर परिषद, नया कार्यालय भवन मिहिजाम।
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि समय एवं स्थान :– दिनांक–07.07.2026 को पूर्वाह्न 11:00 से अपराह्न 02:00 बजे तक नगर परिषद, नया कार्यालय भवन मिहिजाम।
5. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक–07.07.2026 को अपराह्न 03:00 बजे, नगर परिषद, नया कार्यालय भवन मिहिजाम।

क्रं0 सं0	ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	1	1. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF SHANKAR YADAV TO HOUSE OF RAJESH YADAV AT KRISHNA NAGAR Ward No. 01 2. CONSTRUCTION OF DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF PRAMOD RAM TO HOUSE OF DHARKESH SHAW VIA GULGULIYA BASTI Ward No. 01 3. DETAILED ESTIMATE FOR CONSTRUCTION OF R.C.C. CULVERT NEAR HOUSE OF PRAMOD RAM, Ward No. 01	904664.00	18100.00	5000.00	45 Days
2	2	1. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF DEEPAK SHAW TO HOUSE OF LAL BAHADUR TANTI IN WARD No. 02 2. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF DR. SANA TO MAIN ROAD IN WARD No. 02	403115.00	8100.00	1000.00	45 Days
3	3	1. CONSTRUCTION OF DRAIN FROM HOUSE OF GOPAL BISWASH TO HOUSE OF SUNIL KUMAR RAM in Ward No. 03 2. CONSTRUCTION OF DRAIN FROM HOUSE OF MURNAL DUTTA TO HOUSE OF W.B PRASAD in Ward No. 03 3. CONSTRUCTION OF DRAIN FROM HOUSE OF PREMNATH DAS TO HOUSE OF KANIKA BHATTACHARJEE in Ward No. 03 4. CONSTRUCTION OF RCC CULVERT NEAR HOUSE OF KANIKA BHATTACHARJEE , HOUSE OF MURNAL DUTTA AND HOUSE OF GOPAL BISWASH in Ward No. 03 5. CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM HOUSE OF HIMANGI TIRKI TO HOUSE OF ANJUM TIRKI in Ward No. 03	822664.00	16500.00	5000.00	45 Days
4	4	1. CONSTRUCTION OF DRAIN FROM HOUSE OF ANWAR JI TO HOUSE OF IRSHAD JI in Ward No. 04 2. DETAILED ESTIMATION OF RCC DRAIN (0.76M × 0.76M) FROM HOUSE OF KANTA RAM TO HOUSE OF BABLU RAM in Ward No. 04 3. CONSTRUCTION OF DRAIN NEAR HOUSE OF NARU GOPAL NATH in Ward No. 04 4. CONSTRUCTION OF RCC CULVERT NEAR HOUSE OF NARU GOPAL NATH in Ward No. 04	646214.00	13000.00	5000.00	45 Days
5	5	1. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF RAJU HARI TO JHARKHAND HARIJAN CLUB AT HARI PADA in Ward No. 05 2. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF MAUSAMI HARI TO HOUSE OF KAMAL HARI AT HARI PADA in Ward No. 05 3. CONSTRUCTION OF RCC SLAB FOR DRAIN COVER AND REPAIRING OF BRICK DRAIN FROM HOUSE OF RADHA DEVI TO MAIN ROAD AT HARI PADA in Ward No. 05 4. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF OM SHANKAR SINGH TO MANTU HADI AT KRISHNA NAGAR in Ward No. 05	532686.00	10700.00	5000.00	45 Days
6	6	1. CONSTRUCTION OF DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF BIJAY SHANKAR TO HOUSE OF MUNNA PANDIT VIA HOUSE OF BADRI BARNWAL AND RAJESH SHAW in Ward No. 06 2. DETAILED ESTIMATE FOR CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM HOUSE MITHLESH RAJAK TO HOUSE OF PANKAJ SHARMA & NEAR HOUSE OF SONIYA JI in Ward No. 06 3. CONSTRUCTION OF DRAIN SLAB NEAR HOUSE OF MUKESHWAR YADAV in Ward No. 06	817749.00	16400.00	5000.00	45 Days
7	7	1. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF KALIM SEKH TO HOUSE OF MALLU SHEKH in Ward No. 07 2. CONSTRUCTION OF BRICK DRAIN (0.3MX0.45M) FROM HOUSE OF SHAMSHER ALAM TO HOUSE OF SABITA KHATUN in Ward No. 07	419928.00	8400.00	1000.00	45 Days
8	8	Construction of RCC Drain from House of Bickey Chourasia to House of Ajim Khan and RCC Culvert Near Gafur Khan in Ward No. 09	980550.00	19610.00	5000.00	45 Days
9	9	Construction of Brick Drain From House of Mahendra Shaw to Munna Shaw and near Suresh Gupta to Pintu Khatri and Guddu Khan to Main Drain in Ward No. 10	297482.00	5950.00	1000.00	45 Days
10	10	Construction of RCC Drain from Jugnu Sharma to Anand Jain Via Kaju Sharma Ward No. 12	642960.00	12900.00	5000.00	45 Days
11	11	1. Construction of PCC Road Near House of Afsar Khan to Near House of Shahid Shaikh in Ward No. 13 2. Construction of PCC Road Near House of Kailash Das to Near House of Santosh Saw in Ward No. 13 3. Construction of Cross Drainage Near Post Office Mihijam in Ward No. 13	348181.00	7000.00	1000.00	45 Days
12	12	1. Construction of RCC Drain Cover Slab Near Rekha Hardware to Near Main Road Ward No. 14 2. Construction of RCC Drain Cover Slab From Near Rekha Hardware to Near House of Narayan Pandey via Uma Niwas in Ward No. 14	489359.00	9800.00	1000.00	45 Days
13	13	Construction of RCC Drain (0.45Mx0.6M) Near House of Mahendra Rajak to Ajay Sharma in Ward No. 15	620140.20	12400.00	5000.00	45 Days
14	14	Construction of RCC Drain from Near House of Tarak Faleala to Near House of Akash Mandal Via Gopal Ram in Ward No. 16	500825.00	10100.00	5000.00	45 Days
15	15	1. Construction of RCC Drain rom Near House of Raju Turi to House of Prashadi Saw in Ward No. 17 2. Construction of RCC Drain Near House of Manoj Sharma to Near House of Kaleshwar Pandit in Ward No. 17 3. Construction of RCC Drain Near House of Ram Khilwan Ram to near House of Gopal Thakur Karmkar in Ward No. 17	675595.00	13510.00	5000.00	45 Days
16	16	Construction of RCC Drain from Near House of Surendra Singh Via House of Ray Jee to Bangal Border at Sri Rampur in Ward No. 18	505268.00	10200.00	5000.00	45 Days
17	17	Construction of RCC Drain from Near House of Mansha ray to Gangu Pandit Via Sitaram Saw in Ward No. 19	697829.00	14000.00	5000.00	45 Days
18	18	1. Construction of Brick Drain Near House of Paro Yadav to House of Sree Ram Saw at Halukanali in Ward No. 20 2. Construction of Culvert Near House of Paro Yadav to House of Sree Ram Saw at Halukanali in Ward No. 20	522205.00	10500.00	5000.00	45 Days

नोट :–निविदा की शर्तों को कार्यालय, नगर परिषद, मिहिजाम के सूचना पटट् पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद मिहिजाम

PR 383599 Urban Development and Housing(26-27)D

झारखण्ड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, 2026

कार्यालय, नगर परिषद मिहिजाम

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर विकास विभाग के अधिसूचना सं0 06/न0वि0 (TCPO)/भ0उ0 05/2017, 1315 राँची, दिनांक–24.04.2026 के आलोक में **"झारखण्ड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली, 2026"** के तहत नगर परिषद मिहिजाम क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित प्रकार के अनाधिकृत रूप से निर्मित भवन को नियमित किया जाना है :–

1. इस नियम के अनुसार, वैसे सभी आवासीय/व्यवसायिक भवन जिसका निर्माण 31/12/2024 से पहले निर्मित किया गया हो।
2. इस नियम के अनुसार, सभी प्रकार के आवासीय/व्यवसायिक भवन जो अधिकतम G+2 (Upto 10 m) तक निर्मित हो।
3. नियमानुसार, आवेदक के प्लॉट का अधिकतम क्षेत्रफल 300 sqm (अथवा 3228 sft/7.41 dec) हो।
4. वैसे सभी प्रकार के आवासीय/व्यवसायिक G+2 भवन, जिसका निर्माण प्राधिकार से बिना स्वीकृति प्राप्त किया गया हो।
5. वैसे सभी प्रकार के आवासीय/व्यवसायिक G+2 भवन, जिसका निर्माण स्वीकृत भवन प्लान के अनुरुप निर्मित हो परन्तु विचलन किया गया हो।

ज्ञात हो कि निर्मित भवन को नियमित करने हेतु ऑनलाइन आवेदन समर्पित करने के लिए वैसे LTP(Architect) सक्षम है जिनका Firm Name प्राधिकार के द्वारा प्राधिकृत किया गया है (सूची Jharkhand BPAMS Portal पर उपलब्ध है)। आवेदन **https://jhbpams.jharkhand.gov.in** Portal/Website पर से समर्पित की जाएगी।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए नगर परिषद मिहिजाम कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद मिहिजाम

PR 383595 Urban Development and Housing(26-27)#D

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–**18/2025-26/DE/ZPDH/DHANBAD/2ND Call**

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	बलियापुर	कुसमाटाँड़ में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण	55,50,000	10,000	B.O.Q.का 2%	9 माह
2	बलियापुर	सुरूँगा में स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण	55,50,000	10,000	B.O.Q.का 2%	9 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **04-07-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **15-07-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **17-07-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोश्ट का दूरभाश संख्या– **9431396945**
7. जिला परिशद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद।

PR 383620 Rural Development (26-27)D

झारखण्ड सरकार
श्रम,नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जामताड़ा

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,जामताडा में शैक्षणिक सत्र–2026–27–28 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग राँची के पत्रांक– 5/ प्रशि0(प्रशि0)–03/2026–740 राँची,दिनांक–25.06.2026 एवं DGT के पत्रांक–DGT-HC044/3/2026-O/o DIR(TC)(E-77334), दिनांक–19.06.2026 के आलोक में नामांकन हेतु आंशिक संशोधन किया जाता है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:–

क्र0सं0	विवरणी	तिथि
1	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	02.06.2026
2	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	15.07.2026
3	औपबंधिक मेघा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	20.07.2026 पूर्वाह्न 12:00 बजे

शेष कंडिकाएँ यथावत रहेंगी।

प्रभारी प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जामताड़ा

PR 383610 (Labour Employment and Traning)26-27*D

कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जामताड़ा

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग), झारखण्ड, राँची के द्वारा दिनांक 29.06.2026 से दिनांक 06.07.2026 तक "सहकारिता सप्ताह" मनाये जाने हेतु

आम सूचना :–

- दिनांक 29.06.2026 से 06.07.2026 तक जिलान्तर्गत सभी MPCS/लैम्पसों में सदस्यता वृद्धि हेतु विशेष अभियान चलाया जायेगा। पंचायत में स्थायी रूप से निवास करने वाले प्रत्येक परिवार से एक अर्हताधारी व्यक्ति को MPCS/लैम्पस का सदस्य बनाया जाना है। सदस्य बनने हेतु इच्छुक व्यक्ति अपने पंचायत के MPCS/लैम्पस में जाकर सदस्यता शुल्क 10रू० एवं एक शेयर मुल्य 100रू० कुल 110रू० जमा कर सदस्यता ग्रहण कर सकते है।
- दिनांक 30.06.2026 को पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण किया जाना है। सभी MPCS/लैम्पस अपने–अपने परिसर में वृक्षारोपण का कार्य करेंगे।
- सहकारिता सप्ताह में पंचायत स्तर की नई मत्स्य/डेयरी समिति के गठन हेतु आवेदनकर्त्ता संबंधित प्रंखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी से संपर्क कर प्रस्ताव उपलब्ध करा सकते है।
- वैसें इच्छुक MPCS/लैम्पस जो CSC एवं JHARSEWA की सुविधा प्राप्त करना चाहते है, वह अपना प्रस्ताव संबंधित प्रखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को उपलब्ध करा सकते हैं।
- सहकारिता सप्ताह के दौरान जिला द्वारा गठित टीमों जिसमें सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित पदाधिकारी/कर्मी, CSC प्रबंधक द्वारा प्रतिनियुक्त कर्मी शामिल रहेंगे, जो सभी प्रखण्ड/लैम्पसों में भ्रमण कर सहकारिता से संबंधित योजनाओं की जानकरी देंगे एवं जागरूक करेंगे। जिला द्वारा गठित टीम की विवरणी निम्नवत है :–

क्र०	प्रखण्ड का नाम	पदाधिकारी/कर्मी का नाम, पदनाम एवं मोबाईल नं०
1.	जामताड़ा एवं करमाटांड	श्री अभिमन्यु ओझा, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (मो०–8709850632) श्री कुन्दन कु० सिन्हा, अनुमंडल अंकेक्षण पदाधिकारी (मो०–7209782412)
2.	फतेहपुर एवं कुण्डहीत	श्री संजय कुमार, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (मो०–7481831177) श्री सुमन एम कुजूर, वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी (मो०–7004045647)
3.	नाला एवं नारायणपुर	श्री कुणाल भारती, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी (मो०–9708345930) श्री कृष्ण कु० प्रजापति, वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी (मो०–6207663354)

जिला सहकारिता पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 383613 District(26-27)#D

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–3/2026-27/DE/ZPDH/DHANBAD/4th Call

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	टुण्डी	जाताखुँटी पंचायत अन्तर्गत ग्राम चरकखुर्द के बिनोद सिंह के घर के आगे पीसीसी पथ निर्माण (2) फतेहपुर पंचायत अन्तर्गत मुस्लिम टोला में तालीब मियां के घर के सामने बगल में चदरा भोड का निर्माण (3) जीतपुर पंचायत अन्तर्गत बंगारो गाँव में पीपल पेड़ के सामने चबूतरा का निर्माण (4) फतेहपुर पंचायत अन्तर्गत सर्रा बस्ती में मुख्तार अंसारी, पिता रजाउद्दीन अंसारी के नया घर के सामने चबूतरा निर्माण	9,31,085	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह
2	पुर्वी टुण्डी	रघुनाथपुर पंचायत अन्तर्गत असुरबाँध गाँव में भोड निर्माण (2) मैरानवाटाँड़ पंचायत अन्तर्गत कुरकुटाँड़ गाँव में 200 फीट पीसीसी पथ निर्माण	6,79,887	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह
3	गोविन्दपुर	मुर्गाबनी पंचायत अन्तर्गत पुराना आदिवासी टोला के नीचे छोर से विद्यालय तक 100 फीट पीसीसी पथ निर्माण (2) बरवा पंचायत के अन्तर्गत बाउरी ओला चिटाहीबाद मानिक ठाकुर के घर से खोखीन बाउरी के खेत तक 170 फीट पीसीसी पथ निर्माण (2) परासी पंचायत अन्तर्गत दुमदुमी में एक चबूतरा का निर्माण (3) सहराज पंचायत अन्तर्गत जोधा आदिवासी टोला में लखीराम टुडु के घर से बोदजन टुडु के घर तक 300 फीट पीसीसी पथ निर्माण	9,28,200	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह
4	गोविन्दपुर	तिलैया पंचायत के मनईडीह में 100 फीट पीसीसी पथ निर्माण (2) उदयपुर बाउरी टोला में 100 फीट पीसीसी पथ निर्माण (3) कुलबेड़ा पंचायत के डहुआटाँड़ गाँव में 200 फीट पीसीसी पथ निर्माण (4) बड़ा पिछड़ी पंचायत के कोरियाटाँड में 150 फीट पीसीसी पथ निर्माण (5) बिराजपुर पंचायत अन्तर्गत नधुगोड़ा कटाहिटाँड़ बरगद पेड़ के सामने चबूतरा निर्माण (6) खरनी पंचायत के साधोबाद में 100 फीट पीसीसी पथ निर्माण	9,46,200	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह
5	बाघमारा	राजगंज सी.एल.एफ. में 15/20 का शेड का निर्माण (2) बागदाहा पंचायत अन्तर्गत बागदाहा शमशान घाट में 15/20 का शेड का निर्माण (3) जी.टी. रोड से लक्ष्मण महतो चौक के पास पेवर ब्लॉक का निर्माण (4) लुसाडीह में चबूतरा का निर्माण (5) दलुडीह में चबुतरा का निर्माण	9,18,400	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 04.07.2026
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 14.07.2026 को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय :– दिनांक 17.07.2026 को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– 9431396945
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में **अग्रधन की राशि** वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR.NO.383584 Rural Development(26-27):D ह0/– जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद।

मतदाता सूची तैयार करने में राजनीतिक दल निभाएं सक्रिय भूमिका : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री रामनिवास यादव के निर्देशानुसार आज समाहरणालय सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, धीरेंद्र कुमार एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी, पायल राज ने विशेष गहन पुनरीक्षण -२०२६ के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, श्रीमती अंजना भारती, निर्वाचन शाखा के अधिकारीगण एवं जिले के विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह ने मतदाता सूची पुनरीक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया, समय-सीमा, तकनीकी पहलुओं एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए सभी राजनीतिक दलों से सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है और इसमें सभी संबंधित पक्षों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार, स्थानांतरण अथवा नाम सुरक्षित रखने हेतु गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि २९ जुलाई २०२६ निर्धारित की गई है। उन्होंने जिले के सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से अपील की कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना गणना प्रपत्र अनिवार्य रूप से भरें, ताकि उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची-२०२६ में शामिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जो नागरिक पहले से मतदाता सूची में दर्ज हैं, वे भी समय पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर अपने नाम का सत्यापन सुनिश्चित करें। प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों एवं जिज्ञासाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने पर बल दिया गया।

नावाडीह में पशु टीकाकरण के लिए पलाश दीदी बनेंगी वैक्सीनेटर

नावाडीह (बेरमो) (ससे): ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाने और पशु मृत्यु दर कम करने के लिए नावाडीह प्रखंड में बड़ा कदम उठाया गया है। सोमवार को भलमारा क्लस्टर में एलएचडीसीपी योजना के तहत एफएमडी वैक्सीनेशन को लेकर वैक्सीनेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पशु मित्रों को मिली ट्रेनिंग : कार्यक्रम में प्रखंड पशु चिकित्सा डॉ. कमलेश कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अक्सर पशु योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते। गाय-बकरियों के बीमार होने पर तुरंत सही इलाज मिल सके, इसी उद्देश्य से पलाश की आजीविका पशु मित्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रेनिंग में पशुओं की सामान्य बीमारियों की पहचान, प्राथमिक उपचार और वैक्सीन लगाने की सही विधि बताई गई।

ब्लॉक रिसोर्स पर्सन दीपू अग्रवाल ने बताया कि एलएचडीसीपी के तहत एफएमडी वैक्सीनेशन के लिए चपरी, गुजरडीह, परसबनी, भेंड़रा, पलामू, कांछो, सहरिया और बरई पंचायत में एक-एक वैक्सीनेटर का चयन किया जाएगा। चयन पलाश समूह की दीदियों में से होगा। उन्होंने कहा कि चयनित वैक्सीनेटर का काम सिर्फ टीका लगाना नहीं होगा, बल्कि क्षेत्र में पशु संबंधित समस्याओं का निदान भी करना होगा। समय पर वैक्सीनेशन से पशु स्वस्थ रहेंगे, बीमार नहीं पड़ेंगे और मृत्यु दर कम होगी। इससे पशुपालकों की आजीविका भी बेहतर हो सकेगी। प्रशिक्षण में नरेंद्र कुमार, अनीता देवी, शादियां अंजुम, उर्मिला कुमारी, किरण कुमारी, फूलवंती देवी, रीता देवी, आरती देवी, गायत्री देवी, जितेंद्र शर्मा, सोनू कुमार, मोहन महतो, सावन कुमार और बासुदेव महतो सहित कई आजीविका पशु मित्र उपस्थित थे ।

छूटे बच्चों को पिलाई गयी पोलियो खुराक

डुमरी (ससे): तीन दिवसीय पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान के दूसरे दिन सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर जाकर ०-५ साल के आयु वर्ग के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गयी।दूसरे दिन का खास फोकस उन बच्चों पर रहा जो पहले दिन बूथ पर दवा पीने से छूट गए थे।

मिहिजाम कुरमी पाड़ा में पोलियो उन्मूलन अभियान में जूटे कमल गुप्ता,आंती देवी,रेखा कुमारी सिन्हा,हिमानी मुर्मू आदि ने लोगों से अपील की कि दो बूंद हर बार,पोलियो पर जीत रहे बरकरा।उन्होंने कहा कि भारत पोलियो मुक्त है,लेकिन कुछ देशों में अभी भी पोलियो की मौजूदगी को देखते हुए सतर्कता बनाए रखना जरूरी है।कहा कि मंगलवार को अभियान का तीसरा दिन है।हम सभी को यह सुनिश्चित करेंगी कि एक भी बच्चा दवा पीने से वंचित न रहे।

नारी शक्ति सम्मान पुरस्कार में बीसीसीएल की महिला कर्मियों को कई श्रेणियों में सम्मान

धनबाद (कासं) : नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित द्वितीय इंडियन पीएसयू नारी शक्ति सम्मान पुरस्कार समारोह में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), उद्योग, गैर-सरकारी संगठनों तथा मीडिया से जुड़ी महिला पेशेवरों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में बीसीसीएल की चार महिला कर्मियों ने विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्राप्त कर संगठन को गौरवान्वित किया है।

तृप्ति मौर्य, सहायक प्रबंधक (खनन), गुणवत्ता नियंत्रण विभाग, बीसीसीएल को गुणवत्ता एवं सुरक्षा प्रबंधन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'क्वालिटी एंड सेफ्टी चैंपियन अवार्ड' प्रदान किया गया।

रूपल भार्गव, सहायक प्रबंधक, जेएमपी विभाग, गुणवत्ता नियंत्रण, बीसीसीएल को सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'कम्युनिटी चैंपियन अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

संजू देवी, ईपी फिटर, सिजुआ क्षेत्र को उनके उल्लेखनीय कार्य एवं उपलब्धियों के लिए 'ट्रेलब्लेज़र अवार्ड' प्रदान किया गया।

उषा देवी, शॉवेल ऑपरेटर, सिजुआ क्षेत्र को उनके दीर्घकालीन समर्पित योगदान एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार समारोह में श्री विवेक अवस्थी, संस्थापक एवं प्रधान संपादक, बांसुरी स्वराज, सांसद (लोकसभा), तथा पूजा कपिल मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा ने सम्मान प्रदान करते हुए पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर बीसीसीएल की महिला कर्मियों को प्राप्त यह सम्मान संगठन में उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति, समावेशी कार्य परिवेश तथा महिला कर्मियों की सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी को प्रोत्साहित करने की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

विधायक ने किया एक मां के नाम पर पौधा रोपण

केन्दुआ (ससे) : झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत गोधर स्थित माडा कार्यालय परिसर में पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है।

माँ के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को समर्पित यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अधिक से अधिक पौधारोपण कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए, ताकि धरती को हरा-भरा और सुरक्षित बनाया जा सके।

पौधा रोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से शेखर सिंह, रविन्द्र सिन्हा, राजेश गुप्ता, रंजय सिंह, अभिमन्यु सिंह, तमाल राय, मनीष पाण्डेय, कपिल पासवान, नवीन वर्मा, आनंद खंडेलवाल, राजा चौरसिया, बालमुकुंद कुमार, नीतू सिंह, सुमंत पाठक, नवल सिंह, रमेश वर्मा, विजय महतो, मनोज चौहान, भोला चौहान, मनोज ताम्रकार, शीला देवी, भोला सिंह, राजेश सिन्हा, सचिन पासवान, अभिषेक राजराय, अजीत गुप्ता, राजा चौहान, विपिन राय, बंटी विश्वकर्मा, दीपक चौहान, विक्रम बर्णवाल, राजीव सिंह आदि उपस्थित थे।

डॉ रामप्रवेश पंडित रचित सवैया-सुन्दरी का लोकार्पण

पलामू (ससे) : हिंदी साहित्य भारती' के तत्वावधान में स्थानीय विमला पाण्डेय मेमोरियल हॉल में डा.रामप्रवेश पंडित रचित सवैया-सुन्दरी का भव्य लोकार्पण हुआ। छंद शास्त्री श्रीधर प्रसाद द्विवेदी की अध्यक्षता एवं कवि राकेश कुमार के संचालन में मुख्य अतिथि झारखंड के प्रथम विधान सभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी,राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार सुरेन्द्र कुमार मिश्र,राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक विजयानंद सरस्वती व हरिवंश प्रभात,काष्ठ कलाकार प्रेम भसीन, प्राचार्य अंजनी कुमार,पत्रकार सह लेखक प्रभात मिश्र सुमन,उमेश कुमार पाठक 'रेणु',हिंदी साहित्य भारती' के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सिंह व जिला अध्यक्ष अनुज कुमार पाठक ने संयुक्त रूप से 'सवैया सुन्दरी' का लोकार्पण किया। इसके पूर्व विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती एवं उनके वरद पुत्र प्रोफेसर सुभाष चंद्र मिश्र की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। विषय प्रवेश शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री इन्दर सिंह नामधारी ने गुरु गोविंद सिंह जी पर रचित डॉ राम प्रवेश पंडित के सवैया का पाठ करते हुए पंडित जी की काव्य प्रतिभा की सराहना की। कहा कि सवैया सुन्दरी के सवैये संगीतात्मक होने के पठनीय व सारगर्भित हैं।

राष्ट्रीय साहित्यकार सुरेन्द्र कुमार मिश्र ने कहा कि कठिन तपस्या के बाद एक पुस्तक लिखी जाती है। छपने के बाद लोकार्पण सुख देने वाली घटना होती है। इसलिए उत्कृष्ट कृति 'सवैया सुन्दरी' के लिए वे रामप्रवेश पंडित जी की सराहना करते हैं। वहीं ज्योतिषविद विजयानंद सरस्वती ने हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि में सवैया का उल्लेख किया। कहा कि डॉ रामप्रवेश पंडित की सवैया की प्रतिभा उन्हें विस्मित करती है। वरिष्ठ कवि हरिवंश प्रभात ने कहा कि डॉ रामप्रवेश पंडित ने सवैया छंद में रचना कर नयी पीढ़ी को सार्थक संदेश देने का स्तुत्य कार्य किया है। प्रभात मिश्र सुमन ने डॉ रामप्रवेश पंडित जी के सवैयों को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सबको पुस्तक खरीदकर पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। कवि उमेश कुमार पाठक 'रेणु' ने कहा कि डॉ रामप्रवेश पंडित की सवैया सुन्दरी पुस्तक सवैया के इतिहास से अपने को बखूबी जोड़ती है। अध्यक्षीय भाषण करते हुए श्रीधर प्रसाद द्विवेदी ने सवैया के ऐतिहासिक छटाओं का वर्णन किया तथा 'सवैया सुन्दरी' के रचनाकार डा.रामप्रवेश पंडित जी को यशस्वी होने की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर प्रोफेसर आभा मुखर्जी, विजय शंकर मिश्र,डा.अवधेश पाण्डेय,रीना प्रेम दूबे,जया लक्ष्मी,वंदना श्रीवास्तव,माया पंडित,रविशंकर पाण्डेय,अंजनी कुमार दूबे,अशोक मिश्र अल्पज्ञ, प्रियरंजन पाठक समर्पण, राजीव द्विवेदी,मानस मिश्र,मनोज झा व अमित कुमार विनि सहित अनेक रचनाकारों व शुभेच्छुओं ने पंडित जी के एक-एक सवैया का पाठ किया। रचनाकार डॉ रामप्रवेश पंडित ने सभी अतिथियों-वक्ताओं-शुभेच्छुओं द्वारा किये गये उत्साहवर्द्धन के प्रति आभार प्रकट किया। हिंदी साहित्य भारती के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

महिला ने की जानलेवा हमला, छेड़खानी व तोड़फोड़ संबंधित प्राथमिकी दर्ज

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत अमरपुर अमलाटांड़ निवासी इरशाद आलम की पत्नी रुखसार परवीन की शिकायत पर गोविंदपुर थाना में जानलेवा हमला, छेड़खानी, लूटपाट एवं गाड़ी में तोड़फोड़ से संबंधित प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसमें तीन सगे भाइयों दोष मोहम्मद के पुत्र अनवर अंसारी, वाजिद अंसारी एवं एक अन्य भाई, सुलेमान अंसारी, पिता अनवर अंसारी, मनान अंसारी, पिता सुभान अंसारी समेत १५ से २० महिलाओं एवं पुरुषों को अज्ञात अभियुक्त बनाया गया है। रुखसार परवीन ने गोविंदपुर थाना में दिए गए आवेदन में लिखा है कि वह रात करीब ११.४० बजे अपने मायके से घर अमलाटांड़ जा रही थी। जैसे ही वह घर के सामने पहुंची आरोपी पहले से ही घात लगाकर बैठे हुए थे। साजिश के साथ मिट्टी गिराकर रास्ता को जाम कर दिया गया था। जब उन लोगों से मिट्टी हटाने के लिए बोली तो वे सभी उग्र हो गए और शबनम धारदार टांगी और पेड़ काटने वाली आरी से जानलेवा हमला कर दिया। रुखसार ने आवेदन में लिखा है कि उन लोगों ने उनके १७ वर्षीय बेटे असद इरशाद की गर्दन रेतकर जान मारने की कोशिश की।

जब मैं और मेरी छोटी बहन निखत परवीन, पति आफताब आलम उसे बचाने दौड़ी तो आरोपियों ने हम दोनों बहनों के साथ छेड़खानी की। इस हमले से हम सबको गंभीर चोटें आईं तथा खून बहने लगा। इसी बीच अपने मायके को फोन से इसकी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही मेरे भाई जावेद हुसैन, आसिफ राजा और शाहिद अफरीदी बचाने पहुंच गए। आरोपियों ने उन पर भी जानलेवा हमला बोल दिया। सुलेमान अंसारी ने उनके भाइयों को बंदूक की बट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। रुखसार ने लिखा है कि बीच बचाव के दौरान ही आरोपियों ने कान से सोने की बाली छीन ली तथा बेटे की जेब से करीब ५००० रुपए भी लूट लिए। इस बीच शोर सुनकर आसपास के लोग जुट गए, जिससे उन लोगों की जान बच सकी। सुलेमान अंसारी बंदूक लहराते हुए मौके से भाग निकला।

हम सभी घायलों को जब मेरा भाई स्कॉर्पियो नंबर जेएच १० सीवाई/ ८०९२ से एसएनएमएमसीएच धनबाद ले जा रहे थे तो आरोपियों में गाड़ी पर भी हमला कर दिया। जिससे स्कॉर्पियो का शीशा चकनाचूर हो गया। फिलहाल हम सभी घायल एसएनएमएमसीएच में इलाज रात हैं। रुखसार परवीन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद रावत ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। दोषियों पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल BCCL)
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अंग)

सूचना

गुड्स, वर्क्स तथा सर्विसेज के प्रोक्योरमेण्ट के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा जारी सभी निविदायें* बीसीसीएल के वेबसाईट www.bcclweb.in, कोल इण्डिया लिमिटेड (सीआईएल) ई-प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in तथा सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रोक्योरमेण्ट GeM पोर्टल https://gem.gov.in द्वारा भी की जायेगी।

* सीआईएल के ई-प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल के द्वारा जारी सभी ओपन (डोमेस्टिक/ग्लोबल) निविदाओं पर यह लागू है।

यह सूचना बीसीसीएल की वैबसाइट www.bcclweb.in पर भी उपलब्ध है।

कार्यालय, जिला परिषद, धनबाद

:: आम सूचना संख्या–03/2026 ::

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी डिजिटल सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉमन सर्विस सेन्टर जिसमें ई–गवर्नेंस, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाएँ आम जनों तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिला परिषद, धनबाद कार्यालय परिसर में एक CSC (Common Service Centre) एवं Aadhar Centre का संचालन हेतु इच्छुक व्यक्ति जिला परिषद कार्यालय, धनबाद में दिनांक 07.07.2026 तक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ आवेदन समर्पित कर सकते हैं। इच्छुक आवेदनकर्ता विहित प्रपत्र Annexure-1 के भाग A, B, C, D को पूर्णरूपेण सूचनाएँ भरकर आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, धनबाद को समर्पित कर सकते है। Annexure-2 में अंकित शर्तो को पूर्ण नहीं करने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आम सूचना की विस्तृत विवरणी एवं नियम शर्त्ते तथा आवेदन प्रपत्र जिला परिषद के सूचना पट्ट एवं www.dhanbad.nic.in देखा जा सकता है। ह0/–

जिला अभियंता,
जिला परिषद, धनबाद

PR 383566 (Rural Development)26-27*D

E-Procurement Cell
OFFICE OF EXECUTIVE OFFICER
URBAN DEVELOPMENT & HOUSING DEPARTMENT NAGAR PANCHAYAT JAMTARA, JHARKHAND.

e-Procurement Short Notice (Double Bid) 2nd Call

Date:- 24/06/2026

Sl No.	E-Tender Reference No	Name of the work	Tender Value	Time of Completion	Earnest Money Deposit	BID document fees (Non-Refundable)
1.	NPJ/F2/01/ 2026-27	Water Treatment Plant Cleaning, Purchasing of Equipments for WTP, Laying of DI Pipe and Sluice Valve, Construction of SV Chamber and PHED ESR Repairing for Nagar Panchayat, Jamtara.	₹ 16,49,792 (Rupees Sixteen lakh Forty Nine thousand Seven hundred Ninety Two rupee only)	30 Days	Rs. 35,000.00 (Rupees Forty Eight Thousand only)	5,000 (Rupees Five Thousand only)
2.	Date of Publication of Tender on website			25/06/2026 at 04.00 hours		
3.	Closing date/Time for receipt of Tender on website			02/07/2026 at 17.00 hours		
4.	Opening date/Time for Technical Bid of Tender on website			03/07/2026 at 15.00 hours		
5.	Name & address of office Inviting tender			Office of Executive officer, Nagar Panchayat Jamtara.		
6.	Contact no. of Procurement officer			+91 9113473868		
7.	Helpline number of e-Procurement cell			+91 7501748778		

Note: Authority reserves right to cancel tender without assigning any reason thereof. BOQ Amount can be increase or decrease.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive officer
Nagar Panchayat Jamtara

PR 383604 Urban Development and Housing(26-27)#D

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

आम सूचना

विशेष लोक अदालत

दिनांक 18 जुलाई 2026 (शनिवार) समयः प्रातः 11:00 बजे
स्थानः– सिविल कोर्ट परिसर, जामताड़ा
निःशुल्क, सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि झालसा, राँची के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय, (कचहरी), जामताड़ा के प्रांगण में दिनांक **18.07.2026 को समय 11:00 बजे प्रातः** से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। उक्त विशेष लोक अदालत में निम्नलिखित प्रकार के मामले का निश्पादन किया जायेगाः–

❖ चेक बाउंस (138 N.I.Act) से संबंधित मामले

दिनांक 02.07.2026 से दिनांक 17.07.2026 तक प्री कौंसलिंग सीटिंग जारी रहेगा। इस बीच वादकारीगण आकर अपने वाद का सुलह समझौता से माननीय न्यायालय में निपटारा करा सकते है।

इस संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी के लिए आप किसी भी कार्य दिवस पर दिनांक 02.07.2026 से दिनांक 17.07.2026 तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा के कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते है।

नालसा टोल फ्री नम्बर 15100
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें– 8102955079
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

श्री पवन कुमार नं0.।। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

श्री शंभू कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक –सह– सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

श्री आलोक कुमार उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

श्री राधा कृष्ण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

निवेदक
(पवन कुमार नं0–।।)
सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकार,जामताड़ा

PR 383619 Law(26-27).D

अभिभावक शिक्षक ने किया एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन

पुटकी (ससे) : मुनीडीह प्रोजेक्ट धनबाद १ के पीएम श्री मध्य विद्यालय में अभिभावक शिक्षक बैठक में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्षस शोभा देवी ने किया। विशिष्ट अतिथि डुबराजडीह पंचायत समिति सदस्य सुधीर सिंह उपस्थित थे। बैठक में विद्यालय के पढने वाले छात्रों के अभिभावकों ने हिस्सा लिया। सरकर के द्वारा होने वाले विभिन्न गतिविधियों जिसमें बाल-सुरक्षा, खेल कूद, व्यक्तिगत स्वाछता, बल-विवाह, पोस्को एक्ट, प्रतियोगिता परीक्षा, कार्यक्रम के साथ ही अतिरिक्त केंद्र सरकर के द्वारा प्रायोजित एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी उपस्थित अभिभावाकों ने अपने बच्चों के साथ पेड़ लगाने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में संयुक्त रूप से सभी विशिष्ट अतिथियों के उपस्थिति एव अभीभावाकों के उपस्थिति में फलदार वृक्ष लगाया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यगण, प्रधानाध्यापक चंद्रदेव प्रसाद, शिक्षक देवानंद सिंह, अनिल भिंगरा, रोहित कुमार आदि उपस्थित थे।

बीसीसीएल में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में दिनांक २९ जून २०२६ को अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी), बीसीसीएल की अध्यक्षता में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदेशकगण, वरिष्ठ सलाहकार (सुरक्षा), डीआईजी, सीआईएसएफ, महाप्रबंधक (सुरक्षा), महाप्रबंधक (ई एंड एम) तथा सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधकों ने भाग लिया।

बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, अवैध खनन एवं कोयला चोरी की रोकथाम तथा पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय एवं निर्देश दिए गए-

पिछली बैठक के निर्णयों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई तथा सभी लंबित बिंदुओं पर शीघ्र एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आईसीसीसी में की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण वार्तालापों की साक्ष्य-आधारित कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध हो सके तथा आवश्यकता पड़ने पर जांच एवं कानूनी कार्यवाही में उसका उपयोग किया जा सके।

सुरक्षा उपायों की सतत निगरानी एवं समीक्षा के उद्देश्य से अगली सुरक्षा समीक्षा बैठक १५ दिनों के भीतर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

कतरास क्षेत्र के महाप्रबंधक के साथ हुई घटना पर गंभीरता से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि मामले से उच्च अधिकारियों एवं संबंधित मंत्रालय को अवगत कराया जाएगा तथा आवश्यक विधिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अवैध खनन एवं कोयला चोरी के मामलों में एमएमडीआर अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के तहत सीआईएसएफ द्वारा प्राथमिकी दर्ज कर प्रभावी एवं कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाने हेतु निर्देश दिए गए कि बीसीसीएल प्रबंधन एवं सीआईएसएफ के मध्य बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए तथा क्षेत्रीय महाप्रबंधकों द्वारा सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के संबंध में दिए गए निर्देशों का निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप प्रभावी अनुपालन किया जाए, जिससे सुरक्षा अभियानों में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

बैठक में सीएमडी बीसीसीएल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने दोहराया कि कंपनी अवैध खनन, कोयला चोरी एवं राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा से जुड़े मामलों में 'शून्य सहिष्णुता ' की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन, सीआईएसएफ एवं जिला प्रशासन के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई करने तथा कंपनी की परिसंपत्तियों एवं राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया।

प्रपत्र VI 'क' झारखण्ड सरकार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू–अर्जन निदेशालय) या समाहर्ता या समुचित सरकार प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)

अधिसुचना सं0–1130/भू0अ0 — दिनांक–24.06.2026।
असाधारण अंक सं0–70 — दिनांक–25.06.2026

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–भागाबांध, थाना–निरसा, थाना स0–30 अंचल– निरसा, जिला– धनबाद में सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा परियोजना जामताड़ा–निरसा पथ के बरबेंदिया (निरसा) के बराकर नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण हेतु अपेक्षित हैं। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासन के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–भागाबांध, थाना–निरसा, थाना स0–30, अंचल– निरसा, जिला– धनबाद में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कामोवेश कुल–0.8630 एकड़ यानि–0.3493 हेक्टेयर मानक माप का भूखंड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है अर्जनाधीन हैः–

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0)			
							उ0	द0	पू0	प0
1	289	2370/ 2379	सरकारी	नदी	0.8150	अनाबाद बिहार सरकार	नदीं	नदीं	नदीं	2379
2	267	2370/ 2380	सरकारी	नदी	0.0480	दामोदर घाटी निगम	2379	2380	नदीं	2380
कुलः–					0.8630					

यह अधिसूचना भू–अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013 की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखंड सरकार/समाहर्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित एवं यथाविनिर्दिश्ट कार्यों के समुचित निश्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविश्टि करने किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू– वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी धनबाद और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिश्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू– अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्व व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के समक्ष दर्ज की जा सकेगी। ह0/–

समाहर्त्ता, –सह– समुचित सरकार

PR 383543 Land Reforms(26-27)D

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया।

इस दौरान कुल १२१३ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया।

झारखंड में वर्षों से कच्छप गति से चल रहे भूमि सर्वेक्षण पर हाईकोर्ट गंभीर, फिर लगायी फटकार

रांची (एजेंसी): झारखंड में वर्षों से चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य को झारखंड हाईकोर्ट ने अब गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। हाईकोर्ट इसको लेकर लगातार सरकार को फटकार लगा रहा है। झारखंड में चल रहे भूमि सर्वेक्षण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए पूछा कि जब पिछली सुनवाई में विभाग के सचिव को व्यक्तिगत रूप से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया था, तो उनकी जगह विभागीय अवर सचिव ने शपथ पत्र क्यों दाखिल किया।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए विभाग के सचिव को निर्देश दिया कि वे स्वयं १५ जुलाई तक शपथ पत्र दाखिल करें। अदालत ने यह भी कहा कि यदि पिछली सुनवाई के बाद इस मामले में कोई नई प्रगति हुई है, तो उसकी विस्तृत जानकारी भी शपथ पत्र में उपलब्ध कराई जाए। खंडपीठ ने राज्य सरकार से यह स्पष्ट करने को भी कहा कि झारखंड के सभी जिलों में भूमि सर्वेक्षण का कार्य कब तक पूरा हो जाएगा। अदालत ने इस संबंध में विस्तृत समय-सीमा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई २१ जुलाई को निर्धारित की गई है।

राज्य के किस जिले में कब हुआ लास्ट लैंड सर्वे सेट्लमेंट

झारखंड में अंतिम भूमि सर्वे एक ही वर्ष में नहीं हुआ था। अलग-अलग जिलों में अलग-अलग समय पर अंतिम सर्वे एवं सेटलमेंट हुआ। रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा जैसे कई ऐसे जिले हैं जहां अंतिम सर्वे सेट्लमेंट १९३५ में हुआ।

आज के कई जिले (जैसे धनबाद, बोकारो, देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज, जामताड़ा, पलामू, गढ़वा, लातेहार आदि) पुराने बड़े जिलों से बने हैं। इन क्षेत्रों में वर्तमान जिला बनने से पहले संबंधित पुराने जिले के सर्वे रिकॉर्ड लागू रहे, इसलिए इनके लिए अलग अंतिम सर्वे वर्ष नहीं मिलता। अधिकांश छोटानागपुर क्षेत्र में अंतिम प्रभावी रिवीजनल सर्वे १९२७-१९३५ के बीच पूरा हुआ। पश्चिमी सिंहभूम में आजादी के बाद १९६०-१९६४ के बीच सर्वे हुआ। हजारीबाग प्रमंडल के कई क्षेत्रों (आज के हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह और रामगढ़) में पहला रिवीजनल सर्वे १९९५ में पूरा हुआ। १९७२-१९८२ के दौरान शुरू किया गया सर्वे तत्कालीन बिहार सरकार ने १९८२ में रद्द कर दिया था, इसलिए वह अंतिम वैध सर्वे नहीं माना जाता।

सर्वे सेट्लमेंट के लाभ

जमीन का अंतिम सर्वे सेट्लमेंट होने के कई लाभ हैं। एक ही जमीन की बार-बार होनेवाली खरीद बिक्री के बाद भी वह खतियान में सबसे पुराने रैयत के नाम ही दर्ज रहता है। इससे कई तरह की परेशानी खड़ी होती है। जमीन विवाद के अधिकतर मामले सर्वे सेट्लमेंट से दूर हो जाते हैं। जमीन के पारिवारिक बंटवारे का विवाद भी कम होता है। खतियान में रैयत के वर्तमान पीढ़ी का नाम होने से भी आपसी विवाद कम होता है।

जमीन विवाद में हत्या के दोषी को उम्रकैद

दुमका (एजेंसी): जमीन विवाद में हुई हत्या के दो साल पुराने मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (तृतीय) राजेश सिन्हा की अदालत ने आरोपी सुशील टुडू को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अदालत ने उस पर १० हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर उसे तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। जुर्मने की राशि वादी बिजय टुडू को दी जाएगी।

मामले में अदालत ने ११ गवाहों की गवाही और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक लोक अभियोजक धन्नजय दास ने पैरवी की।

वादी बिजय टुडू के अनुसार, २६ मई २०२४ को जमीन विवाद को लेकर सुशील टुडू और उसकी पत्नी रसोदी मरांडी ने लाठी-डंडे और रॉड से हमला किया था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। घटना के बाद रामगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

रथयात्रा महोत्सव : देव स्नान यात्रा आज, 15 दिनों के एकांतवास में जाएंगे महाप्रभु जगन्नाथ

रांची (एजेंसी): प्रभु जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की शुरुआत आज, सोमवार को देव स्नान यात्रा के साथ होगी। इसे लेकर मंदिर परिसर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दोपहर १ बजे स्नान यात्रा पूजा आरंभ होगी, जिसका समापन १:४५ बजे होगा। इसके बाद १:५० बजे महाआरती और दोपहर २ बजे से ३:३० बजे तक श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान १०८ मंगल आरती, जगन्नाथ अष्टकम और श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ भी होगा।

इस अवधि में भगवान के दर्शन नहीं होंगे

शाम ४ बजे स्नान यात्रा के बाद धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा १५ दिनों के लिए एकांतवास (अनवसर) में चले जाएंगे। इस अवधि में भगवान के दर्शन नहीं होंगे और श्रद्धालु केवल राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं के दर्शन कर सकेंगे। १५ जुलाई को भगवान एकांतवास से बाहर आएंगे। इसके बाद नेत्रोत्सव होगा और अगले दिन भगवान भव्य रथ पर सवार होकर नौ दिनों के लिए मौसीबाड़ी प्रस्थान करेंगे। २५ जुलाई को उनकी वापसी मुख्य मंदिर में होगी। देव स्नान यात्रा के लिए इस वर्ष ५३ पवित्र घड़ों की व्यवस्था की गई है। इन घड़ों के जल में गंगाजल, अश्वगंधा, मधु, हल्दी, इत्र सहित विभिन्न पूजन सामग्रियां मिलाकर भगवान का अभिषेक किया जाएगा। सबसे पहले भगवान बलभद्र, फिर माता सुभद्रा और अंत में भगवान जगन्नाथ का स्नान कराया जाएगा।

क्या है धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यता है कि स्नान पूर्णिमा के दिन भक्तों द्वारा भगवान को अत्यधिक स्नान कराने के कारण वे अस्वस्थ हो जाते हैं और १५ दिनों तक गरुड़ मंदिर में एकांतवास करते हैं। इस दौरान उनका पंचगव्य, दूध, घी, शहद, इत्र और गंगाजल से महाभिषेक किया जाएगा। साथ ही भगवान जगन्नाथ की कथा, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन भी होगा। रथयात्रा को लेकर रथ निर्माण का कार्य भी अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सनातन परंपरा और पुरी की परंपरा के अनुसार रथयात्रा महोत्सव की औपचारिक शुरुआत स्नान पूर्णिमा से ही मानी जाती है।

मांगों को लेकर शिक्षकों-कर्मचारियों ने किया आंदोलन का एलान, शिक्षक दिवस पर होगा विरोध प्रदर्शन

रांची (एजेंसी): झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एंड इम्प्लाइज फेडरेशन की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक आईटीआई, हेहल में आयोजित हुई। बैठक में शिक्षकों और राज्यकर्मियों की लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। संगठन ने कहा कि एमएसीपी, ६२ वर्ष की सेवा आयु, शिशु शिक्षण भत्ता, परिवहन भत्ता, पुरानी पेंशन, कैशलेस मेडिकल और चाइल्ड केयर लीव समेत विभिन्न मांगों की पूर्ति के लिए प्रखंड से राज्य स्तर तक आंदोलन किया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि सत्तारूढ़ दल के प्रखंड अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री आवास तक पदयात्रा निकालकर उन्हें चुनावी घोषणापत्र की याद दिलाई जाएगी। वहीं शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों द्वारा शिक्षकों के कथित आर्थिक और मानसिक शोषण के विरोध में शिक्षक दिवस पर भी प्रदर्शन किया जाएगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पुरानी पेंशन, कैशलेस मेडिकल और चाइल्ड केयर लीव से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के सचिव, मुख्य सचिव और मंत्रियों से मुलाकात की जाएगी। इसके साथ ही संगठन की प्रांतीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल मुर्मू को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

हुल दिवस पर कोल्हान टाइगर का शक्ति प्रदर्शन

जामताड़ा में हजारों बाइक सवार होंगे शामिल

जामताड़ा (एजेंसी): हुल दिवस के अवसर पर ३० जून को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन जामताड़ा दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अमर शहीद सिदो-कान्हू की स्मृति में आयोजित होने वाली भव्य बाइक रैली में शामिल होंगे और बाद में जनसभा को संबोधित करेंगे।

आदिवासी सावता सुसार आखड़ा के संयोजक मंगल सोरेन ने बताया कि बाइक रैली की शुरुआत पोसोई मोड़ से होगी। यह रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए रामपुर चौक टोला और अमलाबानी चौक पहुंचेगी। यहां चंपाई सोरेन शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद आयोजित जनसभा में वे लोगों को संबोधित करेंगे। हुल दिवस के आयोजन की शुरुआत २९ जून की शाम से ही होगी। फतेहपुर अंचल के मंझला चला गांव में पारंपरिक ढोल, नगाड़े और मांदर की थाप के साथ वीर शहीदों को याद किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए हुल दिवस के इतिहास और आदिवासी वीरता की गौरवगाथा को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आदिवासी सावता सुसार आखड़ा ने संचालन समिति का गठन किया है। समिति में उत्तम हेम्बरम, सोनमुनी हेमब्रम और अबीता हांसदा को प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दारासिंग हेमब्रम, सालेश हेमब्रम, अर्जुन सोरेन और सूखेन्द्र टुडू समेत कई कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं। अमलाबानी गांव के ग्रामीण भी कार्यक्रम की तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

रांची में 10 स्कूलों के 693 छात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण

हर छात्र तक गुणवत्ता शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री चमरा लिण्डा

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार की नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत सोमवार को रांची के टीवीएस सीएम एसओई, जगन्नाथपुर स्कूल क्लस्टर प्वाइंट पर १० विद्यालयों के ६९३ छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा ने कहा कि हर छात्र तक गुणवत्ता शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार काम कर रही है और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को कोटा के प्रतिष्ठित संस्थानों, जैसे मोशन एजुकेशन, से जोड़कर विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्र भी अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विद्यालय की दूरी के कारण पढ़ाई में कठिनाई झेलने वाले छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क साइकिल योजना काफी लाभकारी साबित होगी। इससे स्कूलों में नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और ड्रॉपआउट दर कम करने में भी मदद मिलेगी।

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत सरकारी विद्यालयों में कक्षा ८ के विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल दी जा रही है। वर्ष २०२६-२७ में रांची जिले के लिए कुल १६,७८० साइकिलों के वितरण की स्वीकृति दी गई है।

कार्यक्रम में समेकित जनजाति विकास अभिकरण की परियोजना निदेशक मनीषा तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, प्रखंड कल्याण पर्यवेक्षक एनुल हक, टीवीएस सीएम एसवोई, जगन्नाथपुर जगन्नाथपुर की प्राचार्य एवं प्रबंधन टीम सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेषांश

झारखंड में 1042 नवनियुक्त ---

वर्तमान कार्यकाल में भी स्वास्थ्य, शिक्षा समेत विभिन्न विभागों में लगातार बहाली की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस नियुक्ति प्रक्रिया में २०० से अधिक विज्ञान शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, जिससे सरकारी विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। अब राज्य के बच्चे बेहतर ढंग से विज्ञान की पढ़ाई कर डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ सकेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में सीमित सीटों के मुकाबले कई गुना अधिक आवेदन आ रहे हैं, जो सरकारी शिक्षा व्यवस्था में लोगों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रतिभाओं से भरपूर राज्य है। लंबे समय तक इसे केवल खनिज संपदा के रूप में देखा गया, लेकिन अब सरकार शिक्षा, रोजगार और युवाओं के भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव-नियुक्त सहायक आचार्य अपने ज्ञान, आचरण और समर्पण से राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे और झारखंड को शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, नवनियुक्त सहायक आचार्य और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षक केवल पढ़ाएं नहीं, समाज और राष्ट्र का निर्माण भी करें : राधाकृष्ण किशोर

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने नवनियुक्त सहायक आचार्यों से कहा कि पढ़ाना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का महान दायित्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को प्रभावी ढंग से पढ़ाएं, उनकी कमजोरियों की पहचान कर उन्हें सही दिशा दें और कक्षा में ऐसा समावेशी एवं सुरक्षित वातावरण बनाएं, जहां हर विद्यार्थी बिना किसी भय के सीख सके।

उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक हमेशा स्वयं भी सीखता रहे और अपने ज्ञान व कौशल को निरंतर बढ़ाता रहे। आज समाज में नैतिक मूल्यों के सामने चुनौतियां हैं। ऐसे समय में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों में नैतिकता, सामाजिक सौहार्द, देशभक्ति तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना विकसित करें।

वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से लगभग ३४,८०० तथा झारखंड लोक सेवा आयोग के माध्यम से करीब ४,०००, यानी कुल ३८,९३० युवाओं को नियुक्ति दी जा चुकी है। उन्होंने इसे राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

शिक्षकों की नियुक्ति से मजबूत होगी शिक्षा व्यवस्था : शिक्षा सचिव

राज्य स्तरीय नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड में शिक्षकों की नियुक्ति का अभियान लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि आज २७८ इंटर प्रशिक्षित और ७५७ स्नातक प्रशिक्षित, कुल १,०३५ सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र दिए गए। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर होगी और शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। शिक्षा सचिव ने नव-नियुक्त शिक्षकों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के अनुरूप शिक्षकों का सतत प्रशिक्षण भी कराया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में---

राज्य सरकार उस पर फैसला ले सकेगी। साथ ही, आयोग से परामर्श के बाद अलग-अलग ओबीसी श्रेणियों के लिए आरक्षण का प्रतिशत भी तय किया जाएगा। दूसरे संशोधन के जरिए आयोग की संरचना, अधिकार और जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट किया गया है।

विधेयकों का विपक्षी दलों ने विरोध किया। आईएसएफ विधायक नवशाद सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि सरकार के संशोधनों से एक विशेष समुदाय को अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने मांग की कि सभी समुदायों के लिए वैज्ञानिक और पारदर्शी सर्वे कराया जाए तथा उसी के आधार पर आरक्षण संबंधी निर्णय लिए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार आरक्षण व्यवस्था में किसी भी बदलाव के लिए ठोस आंकड़ों और वैज्ञानिक आकलन की आवश्यकता होती है।

उनके मुताबिक, सरकार पर्याप्त आंकड़ों के बिना ओबीसी आरक्षण में कटौती की दिशा में आगे बढ़ रही है, जबकि विधेयक इस मूल सवाल का स्पष्ट समाधान नहीं देता।

रिम्स-2 के लिए केंद्र से 2000 करोड़ रुपये की मांग, रांची में एम्स का मुद्दा भी उठाया

रांची (एजेंसी): केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित १६वीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद की बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

बैठक में उन्होंने रिम्स-२ परियोजना के लिए केंद्र से २००० करोड़ रुपये की सहायता देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार लगभग ४१०० करोड़ रुपये की लागत से रिम्स-२ की स्थापना की दिशा में कार्य कर रही है। यह परियोजना पूरी होने पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने रांची में एम्स की स्थापना की मांग करते हुए कहा कि राज्य का एकमात्र एम्स देवघर में है, जिससे राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के गंभीर मरीजों को समय पर सुपर स्पेशियलिटी उपचार नहीं मिल पाता। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत झारखंड को अधिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की। साथ ही चतरा, गढ़वा, गोड्डा, गुमला, पाकुड़, रामगढ़, सिमडेगा और साहिबगंज सहित अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने का आग्रह किया।

झारखंड की तीन बेटियां भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में शामिल, इंग्लैंड-स्कॉटलैंड दौरे पर करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

इस अंतरराष्ट्रीय दौरे के दौरान भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम कुल सात मुकाबले खेलेगी

रांची (एजेंसी): झारखंड की महिला हॉकी ने एक बार फिर देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

राजधानी रांची स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बरियातू हॉकी सेंटर की तीन होनहार खिलाड़ी बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद का चयन भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में हुआ है। अब ये तीनों खिलाड़ी ५ से १४ जुलाई तक इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस अंतरराष्ट्रीय दौरे के दौरान भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम कुल सात मुकाबले खेलेगी। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का यह दौरा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने और अपने खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का सुनहरा अवसर माना जा रहा है।

बरियातू हॉकी सेंटर लंबे समय से झारखंड में महिला हॉकी की प्रतिभाओं को तराशने का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी पहले भी भारतीय टीम का हिस्सा बन चुकी हैं। एक साथ तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन सेंटर की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि बरियातू हॉकी सेंटर लगातार भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दे रहा है, जो झारखंड में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं के विकास का प्रमाण है।

उन्होंने विश्वास जताया कि बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगी। उनके चयन से राज्य की युवा महिला खिलाड़ियों को नई प्रेरणा मिलेगी और झारखंड में महिला हॉकी को और मजबूती मिलेगी।

बच्चों के लिए सुबह का नाश्ता है जरूरी

बच्चों के लिए सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी होता है क्योंकि यह पूरे दिन की एनर्जी का स्रोत बनता है। सही नाश्ता बच्चों को दिनभर एक्टिव और ताजगी से भरा रखता है। सुबह उठने के बाद बच्चे का शरीर और मस्तिष्क दोनों ही ऊर्जा के भूखे होते हैं। अगर उन्हें सही और संतुलित नाश्ता मिलता है तो वे दिनभर एक्टिव, ध्यान केंद्रित और स्वस्थ बने रहते हैं।

सुबह के समय शरीर को ब्लड शुगर की जरूरत होती है ताकि दिमाग सही से काम कर सके। अगर बच्चों को ऐसा नाश्ता दिया जाए जिसमें प्रोटीन, हेल्दी फैट्स और अच्छे कार्बोहाइड्रेट्स हों, तो यह उनके मानसिक और शारीरिक विकास में बहुत मददगार होता है। संतुलित नाश्ता बच्चों को सिर्फ तात्कालिक एनर्जी ही नहीं देता, बल्कि उनका इम्यून सिस्टम भी मजबूत करता है और उन्हें बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है।

नाश्ते में क्या-क्या शामिल करें

दूध : दूध बच्चों के लिए प्रोटीन और कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत होता है। यह हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। अगर बच्चा दूध पीने में आनाकानी करता है, तो उसमें हल्का सा शहद या हल्दी मिलाकर दिया जा सकता है।

दही और फल : दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स बच्चों की पाचन क्रिया को दुरुस्त रखते हैं। इसके साथ अगर आप कटे हुए फल जैसे केला, सेब या पपीता मिलाएं तो यह एक बहुत हेल्दी कॉम्बिनेशन बन जाता है। यह फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है।

अंडा : अंडा प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसमें विटामिन डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होते हैं जो बच्चों के दिमागी विकास में मदद करते हैं। अंडा उबला हुआ, आमलेट या फिर हल्के मसाले में बना हुआ दिया जा सकता है।

फ्रेश फल और स्मूदी: स्वाद और पोषण दोनों

सुबह के नाश्ते में ताजे फल जरूर शामिल करने चाहिए। फलों में मौजूद विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट बच्चों के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और पाचन क्रिया को भी सुधारते हैं। अगर बच्चे फल खाने में आनाकानी करते हैं, तो उन्हें स्मूदी बनाकर दी जा सकती है। आप केले, स्ट्रॉबेरी, आम, सेब जैसे फल लेकर उसमें थोड़ा दूध या दही मिला सकते हैं। इसमें चिया सीड्स या फ्लैक्स सीड्स डालने से यह और ज्यादा हेल्दी हो जाती है।

पानी है जरूरी

अक्सर माता-पिता पानी पर ध्यान नहीं देते, लेकिन बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाना भी उतना ही जरूरी है जितना कि खाना। सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी देना शरीर को डिटॉक्स करता है और पाचन तंत्र को एक्टिव करता है। पूरे दिन ब हाइड्रेटेड रहें इसके लिए समय-समय पर पानी देते रहें।

नाश्ते में क्या न दें

ज्यादा शक्कर वाले सीरियल्स : ये तुरंत एनर्जी तो देते हैं लेकिन बाद में थकान और चिड़चिड़ापन भी लाते हैं।

पैकेट वाले जूस : इनमें नेचुरल फलों की बजाय ज्यादा चीनी और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं।

तली हुई चीजें : ये पाचन को खराब करती हैं और मोटापा बढ़ा सकती हैं।

प्रोसेस्ड फूड : जैसे बिस्किट्स, केक या इंस्टेंट नूडल्स – इनमें पोषण बहुत कम होता है और शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के खानपान पर विशेष ध्यान दें और उन्हें छोटी उम्र से ही हेल्दी खाने की आदत डालें। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनेंगे।

साबुत अनाज के टोस्ट पर पीनट बटर + कटा हुआ केला

मुझे लगता है कि यह झटपट बनने वाला सबसे बढ़िया नाश्ता है। अगर आपको इसे साथ ले जाना हो तो आप इसे सैंडविच भी बना सकते हैं। अगर आपको या आपके बच्चों को मूंगफली से एलर्जी है, तो पीनट बटर की जगह बादाम, काजू या सूरजमुखी के बीज का बटर इस्तेमाल करें। आप केले की जगह कटे हुए स्ट्रॉबेरी या सेब का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एग मफिन + मैंडरिन संतरे

अगर आपके पास वीकेंड पर खाना पहले से तैयार करने का समय है, तो एग मफिन्स एक बढ़िया विकल्प हैं। स्कूल जाने से पहले, बस इन्हें माइक्रोवेव में गर्म करें, कुछ फलों के साथ परोसें, और आप तैयार हैं!

बेक्ड ओटमील

स्कूल जाने से पहले सुबह नाश्ता तैयार करने में लगने वाले समय को कम करने का एक और तरीका है ओटमील ...को कप या कैसरोल ...के रूप में ...पहले ...से तैयार करके रखना।

उबले अंडे + सेब

उबले अंडे एक और आसान भोजन विकल्प हैं जिन्हें तैयार करने में वास्तव में बहुत कम समय और मेहनत लगती है। उबले अंडों को एक फल के साथ मिलाकर खाएं और आपका भोजन तैयार है!

मेरी कुछ पसंदीदा रेसिपीज ये हैं :

ब्रेकफास्ट बरिटो

ब्रेकफास्ट बरिटो लगभग हर बच्चे को पसंद आएगा, भले ही उन्हें नाश्ता उतना पसंद न हो। ब्रेकफास्ट बरिटो की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें नाश्ते की सामग्री डालना जरूरी नहीं है! आप बीन्स और चीज बरिटो भी बना सकते हैं या फिर चिकन और सब्जियां भी डाल सकते हैं। एक बार में ढेर सारे ब्रेकफास्ट बरिटो बनाकर फ्रीज कर लें, इससे सुबह का नाश्ता बनाना आसान हो जाएगा।

ग्रीक योगर्ट + बेरीज + होल ग्रेन सीरियल

नाश्ते में दूध के साथ अनाज में आमतौर पर प्रोटीन की मात्रा कम होती है, लेकिन अगर आप दूध की जगह ग्रीक योगर्ट का इस्तेमाल करें, तो आपके बच्चे के नाश्ते में प्रोटीन की मात्रा काफी बढ़ जाएगी। ग्रीक योगर्ट के ऊपर फल और कम चीनी वाले अनाज जैसे कि चीयरियोस या लाइफ डालकर देखें।

जैसा कि आप देख सकते हैं, प्रोटीन, वसा और फाइबर को एक साथ मिलाने से संतुलित नाश्ता बनता है। ये मेरे पसंदीदा आसान नाश्ते के विकल्प हैं, लेकिन मुझे खुशी होगी अगर आप अपने पसंदीदा विकल्प नीचे कमेंट्स में साझा करें!

स्मूदी

मुझे व्यक्तिगत रूप से साल भर स्मूदी पसंद है, चाहे बाहर ठंड ही क्यों न हो। जिन बच्चों को नाश्ता करना पसंद नहीं है या जिनके पास ज्यादा समय नहीं है, उनके लिए स्मूदी एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। बस ध्यान रखें कि उनमें सिर्फ फल ही न हों, बल्कि प्रोटीन और वसा भी मिलाएं, जैसे कि नट बटर, बीज या ग्रीक योगर्ट। कुछ स्मूदी रेसिपी जो आपको और आपके बच्चों को पसंद आ सकती हैं, वे हैं :

बादाम मक्खन और ब्लूबेरी के साथ साबुत अनाज के पैनकेक या वफ़ल

पैनकेक और वफ़ल देखने में भले ही कम सेहतमंद नाश्ते का विकल्प लगें, लेकिन इन्हें साबुत अनाज से बनाएं और बादाम या मूंगफली के मक्खन जैसे प्रोटीन के साथ मिलाकर खाएं, तो आपका नाश्ता संतुलित हो जाएगा। साबुत अनाज के आटे से बने फ्रोजन पैनकेक या वफ़ल खरीदें या फिर घर पर ही साबुत अनाज के पैनकेक या वफ़ल बनाकर फ्रीज़ कर लें, और फिर स्कूल के व्यस्त दिनों में इन्हें टोस्टर में डालकर खा लें।

गर्मियों चावल की नहीं, बनाएं खरबूजे की खीर! शरीर को रखे ठंडा

गर्मी के मौसम में अगर आप कुछ मीठा, ठंडा और हेल्दी खाना चाहते हैं, तो खरबूजे की खीर एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। आमतौर पर लोग चावल की खीर खाते हैं, लेकिन खरबूजे से बनी यह खास खीर स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी ख्याल रखती है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को हाइड्रेट रखने और गर्मी से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

क्यों खास है खरबूजे की खीर?

खरबूजे की खीर पारंपरिक खीर का एक हेल्दी और रिफ्रेशिंग रूप है। दूध की मलाईदार बनावट और खरबूजे की प्राकृतिक मिठास मिलकर इसे बेहद स्वादिष्ट बना देती है। ठंडी-ठंडी सर्व की गई यह खीर गर्मियों में किसी भी डेजर्ट को टक्कर दे सकती है।

खरबूजे के फायदे

शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

विटामिन ए और सी से भरपूर होता है।

पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक।

शरीर की गर्मी कम करने में मददगार।

कम कैलोरी होने के कारण वजन नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

त्वचा और आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है।

खरबूजे की खीर बनाने की आसान रेसिपी

सामग्री

1 लीटर दूध

1/4 कप चावल

1 कप पका हुआ खरबूजे का गूदा

2-3 बड़े चम्मच कंडेंस्ड मिल्क या स्वादानुसार चीनी

केसर (वैकल्पिक)

कटे हुए बादाम और पिस्ता

विधि

1. सबसे पहले दूध को उबाल लें।
2. इसमें धुले हुए चावल डालकर धीमी आंच पर पकाएं।
3. जब चावल अच्छी तरह गल जाएं, तब चीनी या कंडेंस्ड मिल्क मिलाएं।
4. गैस बंद करके मिश्रण को पूरी तरह ठंडा होने दें।
5. अब इसमें खरबूजे का गूदा मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें।
6. खीर को फ्रिज में 2-3 घंटे के लिए ठंडा करें।
7. सर्व करते समय ऊपर से केसर, बादाम और पिस्ता डालकर सजाएं।
8. गर्मियों का परफेक्ट डेजर्ट।

खरबूजे की खीर स्वाद, पोषण और ताजगी का शानदार संगम है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ मीठा खाने की इच्छा भी पूरी करती है। अगर आप इस गर्मी कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो यह हेल्दी समर डेजर्ट जरूर बनाएं।

कहानी

'जासूस तोता और रहस्यमयी जंगल'

बचपन का मन बड़ा कुतूहली होता है। उसके सामने जो भी अनसुलझी पहेली आती है, वह उसे सच मान बैठता है या फिर उससे डरने लगता है। लेकिन जो बच्चे अपने आस-पास की चीजों को गौर से देखते हैं, वे किसी भी अफ़वाह या डर के पीछे की सच्चाई को ढूँढ निकालते हैं। तोता (क्कड्डह्म्श्ल) भले ही अपनी मीठी बोली और चंचलता के लिए जाना जाता हो, पर उसकी तीखी आँखें और ऊँची उड़ान उसे एक बेहतरीन खोजी भी बना सकती हैं।

आज हम मंगलवन के एक ऐसे ही अनोखे और रहस्यमयी हिस्से में चलेंगे, जहाँ अचानक एक 'भूत' के खौफ़ ने पूरे जंगल का चैन छीन लिया था। आइए पढ़ते हैं कि कैसे एक छोटे से हँसमुख तोते ने अपनी कमाल की सूझबूझ से उस रहस्यमयी पहेली को सुलझाया और पूरे जंगल को अंधविश्वास के अँधेरे से बाहर निकाला।

असाढ़ का महीना खत्म होने को था और रातें घनी और काली होने लगी थीं। मंगलवन के बीचों-बीच एक पुराना और विशाल महुआ का पेड़ था, जिसके खोखले तने में 'मिरचू' नाम का एक छोटा सा तोता रहता था। मिरचू बाकी तोतों की तरह सिर्फ़ मिर्च खाने और रटने में यक़ीन नहीं रखता था; उसकी आदत थी हर चीज के पीछे का 'क्यों' और 'कैसे' ढूंढना। जंगल के जानवर उसे प्यार से 'जासूस तोता' कहते थे।

पिछले कुछ दिनों से मंगलवन के चौपाल पर सन्नाटा पसरा हुआ था। जानवरों के चेहरों की रंगत फ़क़ पड़ गई थी। अफ़वाह फैली थी कि महुआ के पेड़ के पीछे वाले हिस्से, जिसे सब 'रहस्यमयी जंगल' कहते थे, वहाँ रात के बारह बजे एक विशालकाय, भयानक सींगों वाला भूत आता है, जो तेज कड़कती आवाज निकालता है। डर के मारे 'चीकू' खरगोश और 'कलूटी' लोमड़ी ने शाम के बाद अपने घरों से निकलना पूरी तरह बंद कर दिया था। यहाँ तक कि जंगल के राजा 'शेरसिंह' भी इस अदृश्य मुसीबत से चिंतित थे।

मिरचू को भूत-प्रेत की बातों पर रत्ती भर भी भरोसा नहीं था। उसने अपनी कोठरी में बैठे-बैठे सोचा, 'अगर कोई भूत है, तो वह सिर्फ़ रात के बारह बजे ही क्यों आता है? और वह तरकीब सिर्फ़ महुआ के पेड़ के पास ही क्यों दिखाई देती है? दाल में कुछ काला जरूर है।'

अगली रात, जब पूरा जंगल गहरी नींद में सोया था और सन्नाटे को चीरती हुई झींगुरों की आवाज आ रही थी, मिरचू चुपके से महुआ की सबसे ऊंची डाल पर जाकर छिप गया। ठीक बारह बजे, रहस्यमयी जंगल की तरफ़ से एक डरावनी, भारी

आवाज गूँजी और सामने की सफ़ेद चट्टान पर एक विशाल, डरावनी परछाई हिलती हुई दिखाई दी, जिसके सिर पर दो बड़े सींग थे।

पूरा जंगल डर से कांप उठा, पर मिरचू ने अपनी आँखें और कान खुले रखे। उसने गौर किया कि जब-जब हवा तेज चलती है, वह परछाई हिलती है, और उस डरावनी आवाज़ में किसी जानवर के खर्राटे जैसी गूँज थी। मिरचू ने चाँद की रोशनी का रुख देखा। चाँद ठीक महुआ के पेड़ के पीछे था। उसने अपनी तीखी नजरों को चारों तरफ़ दौड़ाया और उसकी खोजी नजरों ने देख लिया कि असली खेल कहाँ हो रहा था।

मिरचू उड़कर चुपके से उस चट्टान के पीछे झाड़ियों में गया। वहाँ का नजारा देखकर वह अपनी हँसी नहीं रोक पाया। वहाँ कोई भूत नहीं था! असल में, 'घोन्शू' नाम का एक आलसी और मोटा जंगली सांड महुआ के पेड़ के नीचे दो बड़ी झाड़ियों के बीच फँसकर आराम से सो रहा था और गहरी नींद में तेज खर्राटे ले रहा था।

झाड़ियों के बीच फंसे होने के कारण उसके सिर के दो बड़े सींग बाहर निकले हुए थे। पीछे से पड़ने वाली तेज चाँदनी रोशनी के कारण उसकी परछाई सामने की सफ़ेद चट्टान पर कई गुना बड़ी और डरावनी दिख रही थी। हवा चलने से जब झाड़ियाँ हिलतीं, तो वह परछाई भी हिलने लगती थी।

अगली सुबह मिरचू ने चौपाल पर सभी जानवरों और राजा शेरसिंह को इकट्ठा किया। उसने हँसते हुए कहा, 'चलो भाइयों! आज मैं तुम्हें मंगलवन के उस भयानक भूत से मिलवाता हूँ।'

मिरचू सबको उसी चट्टान के पास ले गया और दिखाया कि कैसे चाँद की रोशनी, झाड़ियों की ओट और सांड के खर्राटों ने मिलकर एक 'रहस्यमयी भूत' का नाटक रच दिया था। जब जानवरों ने अपनी आँखों से सच देखा, तो वे अपनी बेवकूफ़ी पर खिलखिलाकर हँस पड़े। कलूटी लोमड़ी और चीकू खरगोश का डर छूमंतर हो गया। शेरसिंह ने मिरचू की पीठ थपथपाई और उसे जंगल का 'मुख्य खोजी अधिकारी' घोषित कर दिया। उस दिन के बाद से मंगलवन में अफ़वाहों की जगह वैज्ञानिक सोच ने ले ली।

घरेलू आइटम्स की मदद से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

बच्चों की स्टेशनरी अक्सर इधर-उधर फैली रहती है। ऐसे में उसे आर्गेनाइज करने के लिए स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद ली जा सकती है। आप इसे खुद घरेलू आइटम्स की मदद से तैयार कर सकते हैं।

स्टेशनरी एक ऐसी चीज है, जो लगभग हर घर में होती ही है। जिन घरों में बच्चे होते हैं, वहां तो अक्सर पेन, पेंसिल या कलर आदि अक्सर इधर-उधर रखे हुए नजर आते हैं। अमूमन घरों में मम्मी ही स्टेशनरी को उठाकर बार-बार रखती रहती है। अगर आपके घर में भी ऐसा होता है तो सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्टेशनरी आर्गेनाइजर का इस्तेमाल करें। स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद से सभी तरह की स्टेशनरी को एक जगह आसानी से आर्गेनाइज करके रखा जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के अलग-अलग स्टेशनरी आर्गेनाइजर आसानी से मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे घर पर पुरानी आइटम्स की मदद से भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। घर पर स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाना ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि आप खुद ही एक यूनिक डिजाइन व साइज का स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाकर तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाने के तरीके के बारे में बता रहे हैं-

कार्डबोर्ड से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

- अगर आपके पास पुराने जूते के डिब्बे या कार्डबोर्ड हैं, तो आप उससे स्टेशनरी आर्गेनाइजर बना सकते हैं। आर्गेनाइजर बनाने के लिए कार्डबोर्ड बॉक्स को मनचाहे आकार में काटें। आप आर्गेनाइजर के अलग-अलग सेक्शन बनाने के लिए कार्डबोर्ड को नापकर काट लें।
- अब ग्लू या टेप का उपयोग करके उन्हें चिपका लें। सुनिश्चित करें कि वे मज़बूती से जुड़े हुए हैं। आप तैयार आर्गेनाइजर को डेकोरेटिव पेपर से ढक दें या फिर आप उन्हें पेंट भी कर सकते हैं। अब इसे सूखने दें और फिर तैयार आर्गेनाइजर में स्टेशनरी आइटम को अंदर रखें। पुरानी चीजों को इस्तेमाल करने का आसान तरीका है।

मेसन जार की मदद से बनाएं आर्गेनाइजर

- मेसन जार की मदद से भी स्टेशनरी आर्गेनाइजर तैयार किया जा सकता है। आप अलग-अलग मेसन जार को बतौर आर्गेनाइजर इस्तेमाल करें। इसके लिए आप मेसन जार लें। फिर उसे पेंट करें और सूखने दें। एक जार में सारी स्टेशनरी आर्गेनाइज करना संभव नहीं है, इसलिए आप अलग-अलग मेसन जार को पेंट करें।
- अब आप हर जार में लेबल लगाएं। अगर आपके पास स्पेस की कमी है और आप माउंटेड ऑर्गनाइज़र चाहते हैं, तो स्क्रू और ड्रिल का उपयोग करके लकड़ी के बोर्ड पर होज़ क्लैंप लगाएं। फिर, जार को क्लैंप में सुरक्षित करें। अपने स्टेशनरी आइटम को जार में रखें।

पुरानी प्लास्टिक बोतल से बनाएं आर्गेनाइजर

- घर में पुरानी प्लास्टिक की बोतल होना आम बात है। आप इसे भी बतौर स्टेशनरी आर्गेनाइजर काम में ला सकते हैं। यह इन बोतल को रिसाइकिल करने का एक बेहतरीन तरीका है। आर्गेनाइजर बनाने के लिए प्लास्टिक की बोतलों के ऊपरी हिस्से को मनचाही ऊंचाई पर काटें। सुनिश्चित करें कि किनारे चिकने हों। अगर किनारे नुकीले होंगे तो इससे चोट लगने का खतरा बढ़ जाएगा।
- अब बोतलों को पेंट करें या उन्हें डेकोरेटिव पेपर से कवर ककर दें। इसी तरह, आप आवश्यकतानुसार बोतलों को तैयार कर लें। इन्हें एक पैटर्न में अरेंज करें और फिर उन्हें गोंद या टेप से सिक्योर करें। आपका स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनकर तैयार है।

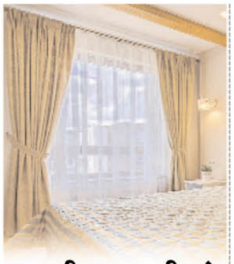

घर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसे सजाएं खिड़कियां

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए हम सभी चीजों की सजावट करते हैं लेकिन कई लोग खिड़की पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। खिड़कियां की साफ- सफाई के साथ इसकी सजावट करना भी काफी ज्यादा जरूरी हैं। अगर आप भी खिड़कियां की सजावट करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप इसकी सजावट कैसे कर सकती हैं।

खिड़कियां की सजावट करने से पहले आपको उसे अच्छे तरीके से साफ करना होगा। अगर आप अपने खिड़कियों की सजावट सही तरीके से करना चाहती हैं तो आपको खिड़की पर लगी धूल को साफ करना होगा। धूल निकालने के बाद आप इसे अच्छे तरीके से सजा सकती हैं।

स्टफ टॉयज का करें इस्तेमाल

अपनी खिड़की को सजाने के लिए आप चाहे तो स्टफ टॉयज का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके खिड़की पर जगह है तो आपको उस पर स्टफ टॉयज रखना होगा। स्टफ टॉयज देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

पौधे से करें सजावट

खिड़कियां अगर बड़ी है तो आपको अपने घर की खिड़कियों को सजाने के लिए हैंगिंग प्लांट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। इसकी मदद से आप अपने घर के खिड़कियों की मिनटों में सजावट कर सकती हैं। यह काफी ज्यादा खूबसूरत लगेगा।

कर्टेन सही चुनें

कर्टेन आपके घर की खिड़कियों की रौनक को बढ़ा सकता है। ऐसे में आपको अपने घर के खिड़कियों की सजावट करने के लिए लाइट कलर के कर्टेन लगाने होंगे। इसकी मदद से आप आसानी से अपने घर के खिड़कियों को सजा सकती हैं।

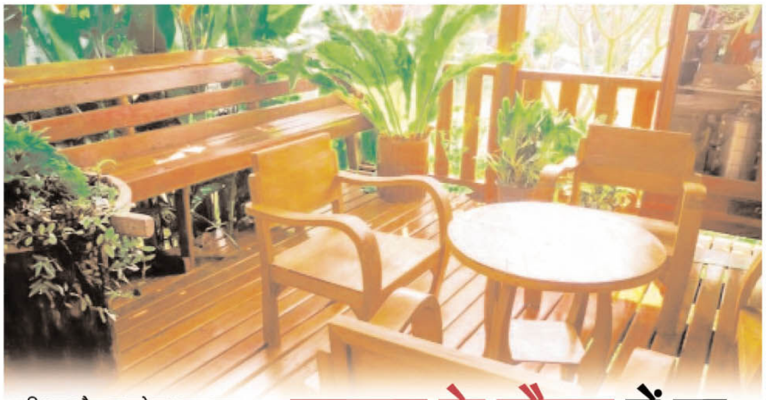

बरसात के मौसम में घर के फर्नीचर को सेफ रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बारिश का मौसम अपने साथ तरह-तरह की परेशानियां लेकर ही आता है। रोड पर जलजमाव के कारण कहीं आने-जाने में दिक्कत से लेकर घर की साफ-सफाई तक हर कुछ में इस दौरान समस्याएं बढ़ जाती है। ऐसा ही एक दिक्कत घर में मौजूद फर्नीचर के साथ भी होता है। दरअसल, बरसात के दिनों में लकड़ी के फर्नीचर में भी नमी आ जाती है। यही नहीं, इसके कारण सड़न और दीमक लगने की भी संभावनाएं काफी बढ़ जाती है, लेकिन आपको अब ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आज एक्सपर्ट के बताए कुछ आसान से टिप्स बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप अपने काम को आसान बना सकते हैं।

फर्नीचर को ढक कर रखें

अगर यह खिड़की या बालकनी के पास रखी है तो आप अपने फर्नीचर ढक कर रख सकते हैं। इसके लिए प्लास्टिक शीट या वाटरप्रूफ कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से आप अपने फर्नीचर को पानी और नमी से बचा सकते हैं। इसके अलावा, सोफों और कुर्सियों को फैब्रिक कवर से भी आप ढक सकते हैं।

अपने फर्नीचर को धूप में सुखाएं

फर्नीचर में नमी को बनने से रोकने के लिए संभव हो तो इसे धूप में जरूर सुखाएं। इससे पानी का असर फर्नीचर पर नहीं होगा और न ही इसमें दीमक आदि लगने की स्थिति बन पाएगी।

लकड़ी के फर्नीचर को पेंट या पॉलिश करें

पानी और नमी से फर्नीचर को बचाने के लिए आप एक सुरक्षात्मक परत बना सकते हैं। इससे फर्नीचर की चमक बरकरार रहेगी ही। साथ ही, बरसात में ये खराब होने से भी बच सकते हैं।

फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें

नम दीवारों से फर्नीचर में नमी आ सकती है। ऐसे में फर्नीचर और दीवारों के बीच थोड़ा गैप रखना जरूरी है। इसके अलावा, नमी के स्तर को कम करने और लकड़ी के फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए कमरे में डीह्यूमिडिफायर का उपयोग कर सकते हैं।

रबर पैड का करें इस्तेमाल

गंदे और गीले फर्श के साथ सीधे संपर्क में आने से फर्नीचर पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में आप अपने फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए पैरों के नीचे रबर पैड लगा सकते हैं।

फर्नीचर को कैसे रखें साफ?

- धूल और गंदगी को जमा होने से रोकने के लिए अपने फर्नीचर को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- इसपर कवर, कोस्टर या पैड को बिछाकर रखें।
- अपने फर्नीचर को सीधे धूप से बचाएं।
- लकड़ी के फर्नीचर को महीने में एक बार घरेलू तरीके से जरूर पॉलिश करें।
- कपड़े के फर्नीचर को वैक्यूम क्लीनर से साफ करते रहें।

बिना खर्च किए इस तरीके से बनाएं फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे

महंगे फर्नीचर की खास केयर की जरूरत होती है। इसके लिए बाजार में आपको यूं तो कई सारे प्रोडक्ट मिल जाएंगे। पर, आप चाहें तो केमिकल मुक्त घर पर ही क्लीनिंग स्प्रे तैयार कर सकती हैं।

फर्नीचर क्लीनर स्प्रे बनाने की सामग्री

1 कप सफेद सिरका, 2 कप पानी
2 चम्मच नींबू का रस
1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, स्प्रे बोतल

घर पर फर्नीचर क्लीनर कैसे बनाएं?

- फर्नीचर क्लीनर तैयार करने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका और पानी डालें। आप चाहें तो सिरके की जगह नींबू का रस भी डाल सकती हैं।
- अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल डालें। यह आपके फर्नीचर पर पॉलिश का काम करेगा।
- इसके बाद, बोतल को अच्छी तरह हिलाएं।
- बस लीजिए, आपका फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे तैयार है।
- फर्नीचर क्लीनर का कैसे करें इस्तेमाल?
- स्प्रे बोतल को अच्छी तरह से हिलाकर मिक्स कर लें।
- इसके बाद, एक मुलायम कपड़े को इस स्प्रे से गीला करें।
- फर्नीचर की सतह को अच्छी तरह पोंछ लें।
- अगर दाग एक बार में न मिटे, तो इसे फिर से दोहराएं।
- आप इस स्प्रे को लकड़ी, प्लास्टिक, धातु और कांच सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर पर उपयोग कर सकते हैं।

फर्नीचर स्प्रे बनाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

- यदि आप एक स्ट्रॉन्ग क्लीनर चाहते हैं, तो आप सिरके की मात्रा को 1/2 कप तक बढ़ा सकते हैं।
- स्प्रे को सुगंधित बनाने के लिए आप नींबू का रस या चंदन के तेल की मात्रा को 20 बूंद तक डाल सकते हैं।
- यदि आप एक चमकदार फिनिशिंग चाहते हैं, तो ऑलिव ऑयल की मात्रा को भी 2 बड़े चम्मच तक बढ़ा सकते हैं।
- बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें।

इन्वर्टर की बैटरी खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान वर्षों तक नहीं होगी खराब

अगर आप भी घर के लिए इन्वर्टर की बैटरी खरीदने जा रहे हैं तो उससे पहले इन बातों का ज़रूर ध्यान रखें।
दिन या रात में जब बिजली जाती है तो सबसे पहले ध्यान इन्वर्टर की तरफ जाता है। अगर इन्वर्टर ठीक है तो कई बात नहीं, लेकिन इन्वर्टर की बैटरी डाउन या ख़राब होती है तो अंधेरे में रहना पड़ता है। इसलिए इन्वर्टर की बैटरी सही खरीदना चाहिए। अगर आप भी इन्वर्टर के लिए बैटरी खरीदने जा रहे हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि इन्वर्टर के लिए बैटरी कैसी होना चाहिए।

बैटरी लेने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

- इन्वर्टर के लिए बैटरी लेना कोइबदी बात नहीं है, लेकिन बैटरी लेने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान देने की ज़रूरत है।
- सबसे पहले आपको यह तय करना है कि आपको कितने घंटे के लिए बैकअप चाहिए।
- आपके घर में लाइट कितनी बार जाती है और कितने देर के लिए जाती है। इसका पूरा अनुमान सेट करके आप आसानी से अच्छी बैटरी खरीद सकते हैं।
- जैसे-पूरे 24 घंटे में लगभग 3 घंटे के लिए बिजली जाती है उसके हिसाब से आप 75-80Ah (एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।
- अगर इससे कम या इससे अधिक समय के लिए बिजली जाती है तो आप समय के अनुसार एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।

अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें?

मार्केट में मौजूद इन्वर्टर बैटरियों में अच्छी बैटरी कैसे पहचाने ये बड़ा ही सवाल होता है। अगर आप भी इस सवाल में उलझे हुए कि अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें तो फिर आपको कुछ टिप्स को फॉलो करें की ज़रूरत है। जैसे-

- आपको बता दें कि मार्केट में लगभग 3 तरह की बैटरी सबसे अधिक चलती है। फ्लैट बैटरी, नॉर्मल बैटरी और ट्यूबलर बैटरी अधिक चलती है।
- कई लोगों का मानना है कि ये तीनों बैटरी ही अपने स्थान पर है, लेकिन लॉन्ग लाइफ के लिए ट्यूबलर बैटरी अच्छी मानी जाती है। ट्यूबलर बैटरी अधिक समय तक चलती और कम समय में चार्ज भी हो जाती है। इसलिए आप आपने घर के लिए ट्यूबलर बैटरी खरीद सकते हैं।

फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी कैसी होती है?

यह तो आपको मालूम हो चुका होगा कि इन तीनों बैटरी में से ट्यूबलर बैटरी अच्छी होती है, लेकिन कई लोग फ्लैट बैटरी और नॉर्मल भी खरीद लेते हैं। ऐसे में इन दोनों बैटरी के बारे में आप भी जन लीजिए। कहा जाता है कि फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी में कई बार हीटिंग की समस्या होती है जिसके कारण वो जल्दी ख़राब भी हो जाती है। फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी अधिक समय तक नहीं चलती हैं और कई बार जल्दी ख़राब भी हो जाती हैं। इन दोनों बैटरी के साथ बैकअप की भी समस्या रहती हैं।

इन्वर्टर बैटरी की वारंटी और सर्विस चेक करें

इन्वर्टर बैटरी सेलेक्ट करने के बाद बैटरी की वारंटी देखना बहुत ज़रूरी होता है। कई बैटरी की वारंटी 1 साल या फिर 2 तक तक ही होती है, लेकिन अगर आप घर के लिए बैटरी खरीद रहे हैं तो कम से कम 5-7 साल तक की वारंटी वाली ही बैटरी खरीदें। इसके वाला सर्विस के बारे में भी चेक करना बहुत ज़रूरी है। जी हां, वारंटी के साथ सर्विस के बारे में भी ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी किसी वजह से ख़राब होती है और कंपनी फी मेंटेनेंस करती है। इसलिए इन्वर्टर के लिए बैटरी लेते समय वारंटी और सर्विस ज़रूर चेक करें।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भीषण जंगल की आग, तीन दमकलकर्मियों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो-यूटा सीमा क्षेत्र में तेजी से फैल रही जंगल की आग में तीन दमकलकर्मियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। अमेरिकी आंतरिक विभाग के अनुसार, तेज हवा और भीषण गर्मी के बीच आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया, जिससे दमकलकर्मी उसकी चपेट में आ गए। बचने के लिए उन्होंने आपातकालीन सुरक्षा शेल्टर का इस्तेमाल किया, लेकिन तीन की जान नहीं बच सकी। आग ने अब तक करीब 114 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। प्रशासन ने आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं। यूटा, कोलोराडो, एरिजोना और नेवादा समेत कई पश्चिमी राज्यों में भी जंगल की आग तेजी से फैल रही है। रिकॉर्ड कम बर्फबारी, भीषण गर्मी, सूखे और तेज हवाओं के कारण हालात और गंभीर हो गए हैं। यूटा और कोलोराडो में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

युद्धविराम उल्लंघन पर ईयू की चिंता, पाकिस्तान से कहा- बातचीत के रास्ते खुले रखें

ब्रूसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने रविवार को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुए युद्धविराम उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की तेजी से बदलती स्थिति पर चर्चा की। कैलास ने इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) तक पहुंचाने में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका की सराहना की, लेकिन कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और संवाद के रास्ते खुले रखने जरूरी हैं। इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। उन्होंने भी सभी पक्षों से युद्धविराम समझौते का सम्मान करने की अपील की। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। अमेरिका और ईरान ने 18 जून को शांति बहाली के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

हैती और सीरिया के नागरिकों का टीपीएस खत्म करने के ट्रंप के फैसले से रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हैती और सीरिया के हजारों प्रवासियों का टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) समाप्त करने के फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद उभरकर सामने आए हैं। जहां होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने इस फैसले का समर्थन किया, वहीं ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन ने इसे गलत फैसला करार दिया। रविवार को अलग-अलग टीवी कार्यक्रमों में बातचीत के दौरान मार्कवेन मुलिन ने कहा कि टीपीएस कभी भी स्थायी व्यवस्था नहीं थी और इसका उद्देश्य केवल सीमित समय के लिए सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने कहा, टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस का मकसद कभी स्थायी नहीं था। लाभार्थियों के पास कई विकल्प हैं। वे स्थायी निवास या अस्थायी वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर अपने देश लौट सकते हैं। यदि वे वापस जाना चाहते हैं तो सरकार उनकी मदद करेगी। मुलिन ने कहा कि स्वदेश लौटने वाले प्रवासियों को सरकार हवाई टिकट के साथ लगभग 2,100 डॉलर की आर्थिक सहायता भी देगी, ताकि वे अपने देश में दोबारा जीवन शुरू कर सकें। यह बयान अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें कानूनी चुनौतियां जारी रहने के बावजूद ट्रंप प्रशासन को हैती और सीरिया के 3.5 लाख से अधिक प्रवासियों का टीपीएस समाप्त करने की अनुमति दी गई। हैती की सुरक्षा स्थिति पर पूछे गए सवाल के जवाब में मुलिन ने कहा कि सरकार निर्वासन से जुड़े फैसले कई पहलुओं को ध्यान में रखकर लेती है। उन्होंने कहा, दुनिया में अमेरिका से अधिक उदार देश कोई नहीं है, लेकिन हम नहीं चाहते कि लोग इस व्यवस्था का गलत फायदा उठाएं।

दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमान एयरबस ए 380 के पंखों में मिली दरारें, 16 विमानों की तत्काल जांच के आदेश

बर्लिन, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमान एयरबस ए 380 को लेकर एक बड़ी सुरक्षा चिंता सामने आई है। यूरोपीय संघ की शीर्ष विमानन सुरक्षा एजेंसी ने 16 एयरबस विमानों के पंखों के मुख्य हिस्सों में दरारें पाए जाने के बाद उनकी तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। नियामक संस्था ने चेतावनी दी है कि ये दरारें विमान के पंखों की संरचनात्मक अखंडता को कम कर सकती हैं।

दो समूहों में बांटे गए विमान: सुरक्षा एजेंसी ने इन विमानों को दो श्रेणियों में विभाजित किया है। पहले समूह में पांच विमान शामिल हैं, जो दुबई स्थित एयरलाइन एमिरेट्स द्वारा संचालित हैं। इन पांचों विमानों की तत्काल जांच की जानी अनिवार्य है। दूसरे समूह में 11 विमान हैं (10 एमिरेट्स और 1 ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास का), जिनकी जांच अगले 25 फ्लाइट साइकिल के भीतर पूरी करनी होगी।

जांच का कारण और कंपनी का पक्ष

एयरबस के अनुसार, यह आपातकालीन निर्देश दिसंबर 2025 में दिए गए पिछले निर्देशों का विस्तार है, जिसमें पंखों के अंदर की मुख्य बीम यानी मिड स्पार्स की जांच अनिवार्य की गई थी। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि कुछ विशिष्ट निष्कर्षों के बाद एयरबस ने स्वयं ईएएसए को इन विमानों की उप-जनसंख्या की जांच करने की सिफारिश की थी। कंपनी अब एजेंसी के साथ मिलकर इन परिणामों का आकलन करेगी कि क्या मरम्मत की आवश्यकता है या विमान सेवा में वापस आ सकते हैं।

उड़ानों पर प्रभाव

क्वांटास एयरलाइन ने पुष्टि की है कि उनका संबंधित विमान पहले से ही निर्धारित रखरखाव में था और इस निर्देश का उनके फ्लाइट शेड्यूल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं, एमिरेट्स ने कहा है कि वे अगले 48 घंटों के भीतर जांच शुरू कर देंगे और किसी भी विमान को सेवा में वापस भेजने से पहले सभी आवश्यक कार्य पूरे किए जाएंगे।

पुराना है विवाद: यह पहली बार नहीं है जब एयरबस ए 380के पंखों में दरारें देखी गई हैं। इससे पहले साल 2012 में भी दो अलग-अलग प्रकार की दरारें मिलने के बाद पूरे ए 380 बेड़े की आपातकालीन जांच के आदेश दिए गए थे। दुनिया का सबसे बड़ा यात्री विमान होने के नाते, जिसकी पहली उड़ान अप्रैल 2005 में हुई थी, इसकी सुरक्षा को लेकर अधिकारी कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

मलबे में 3 दिन तक दबा रहा 11 साल का बच्चा, आखिर मौत को दी मात

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। हजारों परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है और कई लोग अब भी लापता हैं। इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे देश में उम्मीद की नई किरण जगा दी है। भूकंप के बाद एक इमारत के मलबे में तीन दिन तक दबा रहने के बावजूद 11 साल के एक लड़के को जिंदा बचा लिया गया।

72 घंटे बाद भी जिंदा मिला बच्चा: बचाव दल ने शनिवार को काराबालेडा इलाके में मलबे के नीचे फंसे इस 11 वर्षीय बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि बच्चा करीब 72 घंटे तक बिना किसी मदद के मलबे में फंसा रहा, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार बचावकर्मियों ने उसे जीवित निकाल लिया। बच्चे के बाहर आते ही वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर और खुशी जाहिर कर उसका स्वागत किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

अंतरिम राष्ट्रपति भी हुईं भावुक: वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने खुद इस बचाव अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, कुछ मिनट पहले काराबालेडा में 11 साल के एक लड़के को जिंदा बचाया गया है। इस मुश्किल समय में हर बची हुई जिंदगी वेनेजुएला के लिए उम्मीद की एक नई किरण है। उन्होंने बचाव अभियान का वीडियो भी साझा किया और राहत कार्यों में जुटे सभी लोगों का धन्यवाद किया।

मौत और तबाही का बढ़ता आंकड़ा

रिपोर्टों के मुताबिक, वेनेजुएला में आए दो बड़े भूकंपों में अब तक करीब 1,430 लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों लोग घायल हुए हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर के अनुसार, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है तथा हजारों लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है।

24 देशों ने भेजी मदद

इस बड़े संकट से निपटने के लिए दुनिया के कई देश वेनेजुएला की मदद के लिए आगे आए हैं। सरकार के अनुसार अब तक 24 देशों ने राहत सामग्री भेजी है। इनमें 521 टन से अधिक सहायता सामग्री, खोजी कुत्तों की 86 विशेष टीमें और 2,700 से अधिक बचावकर्मी शामिल हैं।

पहले 72 घंटे सबसे अहम

आपदा विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी भूकंप या इमारत गिरने जैसी घटना के बाद शुरुआती 72 घंटे सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसी दौरान जीवित लोगों को बचाने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। इसके बाद बचाव कार्य धीरे-धीरे शवों की तलाश में बदल जाता है। हालांकि, 11 साल के इस बच्चे के जीवित मिलने से बचाव दल और पीड़ित परिवारों को नई उम्मीद मिली है कि शायद उनके अपने भी सुरक्षित मिल जाएं।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद हुई तबाही के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है। नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोग अभी भी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

इस बीच, वेनेजुएला फाउंडेशन फॉर सीस्मोलॉजिकल रिसर्च ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश के मध्य क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे इस हफ्ते की शुरुआत में आए दो विनाशकारी भूकंपों के बाद पहले से ही परेशान लोग और तकलीफ में आ गए।

राज्य की भूकंप एजेंसी ने कहा कि ताजा झटके का केंद्र ला गुएरा से लगभग 35 किमी पश्चिम में था, जो सेंट्रल कोस्ट पर एक मुख्य पोर्ट शहर है, जिसे बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों से हुए भारी नुकसान के बाद डिजास्टर जोन घोषित कर दिया गया है।

एजेंसी ने बताया कि भूकंप 5 किमी की कम गहराई पर आया, जिससे आम तौर पर जमीन का कंपन बढ़ जाता है और स्ट्रक्चरल डैमेज का खतरा भी बढ़ता है।

ऑस्ट्रेलिया में चूहों का आतंक: किसानों की फसलें बर्बाद, घरों में भी घुसे लाखों चूहे

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के किसान इस समय एक भयानक प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहे हैं। देश के बड़े हिस्से में चूहों की महामारी ने तबाही मचा रखी है, जिससे न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं, बल्कि लोगों का घरों में रहना भी दूभर हो गया है।

फसलों और अर्थव्यवस्था पर दोहरी मार: किसान पहले से ही ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की समस्याओं से जूझ रहे हैं। अब इस माउस प्लेग ने उनकी कमर तोड़ दी है। चूहे खेतों में बोए गए बीजों को रातभर में चट कर जाते हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के किसान जेफ कॉस्ग्रोव के अनुसार, यह स्थिति 2021 के प्लेग से भी कहीं अधिक भयावह है। किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर दोबारा बुवाई कर रहे हैं या जहरीला चारा डाल रहे हैं।

चूहों की संख्या में भारी उछाल के कारण: विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले साल हुई रिकॉर्ड तोड़ फसल और उसके बाद हुई गर्मियों की बारिश ने चूहों के लिए स्वर्ग जैसी स्थिति पैदा कर दी, जिससे उन्हें भरपूर भोजन और प्रजनन के अनुकूल माहौल मिला। कृषि विज्ञानी बेलिंडा ईस्टोघ के अनुसार, कुछ खेतों में प्रति हेक्टेयर (एक रग्बी मैदान के बराबर) 8,000 से 10,000 चूहे तक मौजूद हैं।

तेजी से प्रजनन और विशेषज्ञों की चिंता: सीएसआईआरओ के शोध अधिकारी स्टीव हेनरी ने बताया कि चूहे मात्र छह सप्ताह की उम्र से प्रजनन शुरू कर देते हैं और हर 19 से 21 दिनों में 6 से 10 बच्चों को जन्म दे सकते हैं। जन्म देने के दो-तीन दिन बाद ही वे फिर से गर्भवती हो जाते हैं, जिससे इनकी संख्या विस्फोटक रूप से बढ़ती है। वहीं लंबे इंतजार के बाद, सरकार ने किसानों को अधिक शक्तिशाली जहर इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है।

सैन्य ऑपरेशन में छर्रे लगने से एक व्यक्ति की मौत, लापता नाव की तलाश जारी

दोहा , एजेंसी। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को बताया कि एक कतरी नागरिक की छर्रे लगने से मौत हो गई है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब वह व्यक्ति एक अन्य साथी के साथ नाव पर सवार था और उनकी नाव अचानक लापता हो गई थी। मंत्रालय के अनुसार, इस नागरिक की जान इलाके में चल रहे सैन्य अभियानों के कारण लगे छर्रों से गई है। इस घटना में नाव पर सवार दूसरा व्यक्ति भी घायल हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को शुरू किए गए सघन खोज अभियान के बाद, रविवार तड़के इस लापता नाव का पता लगा लिया गया।

हमलों के कनेक्शन पर सस्पेंस: मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में इस घटना के सटीक लोकेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इन छर्रों का संबंध रविवार को कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर लॉन्च किए गए ईरानी ड्रोनों से था या नहीं। फिलहाल इस घटना के पीछे के वास्तविक कारणों और इसके अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन को लेकर मंत्रालय ने चुप्पी साधी हुई है।

नासा ने शेयर की झूमर की तरह चमकते पुराने तारों के समूह की तस्वीर, हबल टेलिस्कोप ने कैद की खूबसूरती

वाशिंगटन , एजेंसी। हमारी आकाशगंगा की गहराइयों में मौजूद सितारों के प्राचीन समूह आज भी ब्रह्मांड के कई नए रहस्यों से परदा उठा रहे हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के हबल स्पेस टेलिस्कोप ने हाल ही में एक ऐसे ही तारा प्रणाली की एक शानदार तस्वीर खींची है, जिसमें हजारों चमकीले सितारों का एक विशाल झुंड दिखाई दे रहा है।

तस्वीर में दिख रहे इस क्लस्टर का नाम एनजीसी 6723 है, जिसे शैंडेलियर क्लस्टर के नाम से भी जाना जाता है। यह पृथ्वी से लगभग 27,000 प्रकाश वर्ष दूर धनु तारामंडल में स्थित है। अंतरिक्ष में यह किसी अनगिनत दीयों से सजे झूमर की तरह चमकता है, जहां चमकने वाली हर एक रोशनी वास्तव में एक विशाल तारा है।

क्या होते हैं ग्लोबुलर क्लस्टर?: हबल द्वारा ली गई इस तस्वीर में एक ग्लोबुलर क्लस्टर दिखाई दे रहा है। यह दरअसल हजारों से लेकर लाखों सितारों का एक ऐसा समूह होता है, जो गुरुत्वाकर्षण बल के कारण आपस में बहुत मजबूती से बंधे होते हैं।

हमारी आकाशगंगा में ऐसे 150 से अधिक ग्लोबुलर क्लस्टर मौजूद हैं, हालांकि अंतरिक्ष की धूल और सितारों की भारी भीड़ के कारण इनमें से कुछ अभी भी हमारी नजरों से छिपे हो सकते हैं।

आकाशगंगा के सबसे पुराने निवासी: इन ग्लोबुलर क्लस्टर्स में मिल्की वे आकाशगंगा के कुछ सबसे पुराने सितारे मौजूद हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, इनमें से कई सितारों की उम्र 10 अरब वर्ष से भी अधिक है, यानी ये लगभग उतने ही पुराने हैं जितना कि हमारा ब्रह्मांड। माना जाता है कि ये क्लस्टर्स हमारी आकाशगंगा में बनने वाली सबसे शुरुआती संरचनाओं में से थे। इनका निर्माण उस पतली डिस्क के बनने से भी पहले हुआ था, जहां आज हमारा सूर्य चक्कर लगा रहा है। हालांकि, इनके निर्माण की सटीक प्रक्रिया आज भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

पहले खगोलविदों का मानना था कि एक ग्लोबुलर क्लस्टर के सभी सितारे एक ही समय पर बने थे और उनका रासायनिक संगठन भी एक जैसा था। लेकिन हबल जैसे आधुनिक टेलिस्कोपों के नए अवलोकनों ने इस धारणा को बदल दिया है। अब यह साफ हो गया है कि इन तारा समूहों का इतिहास हमारी सोच से कहीं अधिक जटिल और दिलचस्प रहा है।

हबल का विशेष सर्वेक्षण: हबल ने मिल्की वे के ग्लोबुलर क्लस्टर्स पर किए गए एक विस्तृत सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में पहली बार एनजीसी 6723 का अध्ययन किया था।

विश्व युद्ध का खतरा टला?

अमेरिका और ईरान हमले रोकने पर सहमत, कतर में होगी 'होर्मुज' पर महाबैठक

दोहा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे अमेरिका और ईरान अब आपसी सैन्य हमलों को रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर था और दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की आशंका से सहमी हुई थी।

सीजफायर के बाद भी जारी थे हमले: अमेरिका और ईरान के बीच अभी हाल ही में सीजफायर लागू हुआ था, लेकिन उसके बाद भी पिछले 24 घंटों के भीतर ही दोनों ओर से एक-दूसरे के ठिकानों पर फिर से हमले किए गए, जिससे इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि, अब 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों पक्ष फिलहाल 'काइनेटिक एक्टिविटी' यानी सैन्य हमलों और आक्रामक कार्रवाइयों को पूरी तरह से रोकने के लिए राजी हो गए हैं।

कतर में होगी निर्णायक बैठक: तनाव को कम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम कतर की राजधानी दोहा में उठाया जाएगा। मंगलवार को दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल एक मेज पर बैठेंगे ताकि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर जारी विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। होर्मुज जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है और इस पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है।

ट्रंप की चेतावनी: इस समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो वे युद्ध को दोबारा शुरू कर 'काम पूरा कर देंगे' और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। वहीं, दूसरी ओर ईरान ने भी पलटवार करते हुए साफ कर दिया था कि यदि अमेरिका ने सीजफायर का उल्लंघन किया, तो भविष्य की सभी कूटनीतिक बातचीत और रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर राहत: समझौते का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक के हो सकेगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल पीछे हटने को तैयार हैं ताकि कतर में होने वाली बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक ईरान का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

स्थायी आवास में रहें या अपने देश लौटें, ट्रंप प्रशासन ने घुसपैठियों को दिया अल्टीमेटम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अस्थायी निर्माणों में रह रहे अवैध रूप से आए विदेशियों से स्थायी निर्माण वाले आवासों में जाने के लिए कहा गया है। अगर वे ऐसा नहीं कर सकते हैं तो वापस अपने देश जाएं। यह बात अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा मामलों के मंत्री मार्कवायने मुलिन ने न्यूज चैनल सीएनएन के कार्यक्रम में कही है। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारे, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर घुसपैठियों की रिहायश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विदित हो कि ट्रंप प्रशासन ने हैती और सीरिया में गृह युद्ध जैसे हालात के बीच

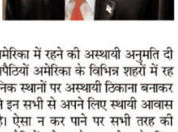

वहां से आए लाखों लोगों को अमेरिका में रहने की अस्थायी अनुमति दी है। अन्य देशों के भी लाखों घुसपैठियों अमेरिका के विभिन्न शहरों में रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी ठिकाना बनाकर रह रहे हैं। तरिक सुरक्षा विभाग ने इन सभी से अपने लिए स्थायी आवास व्यवस्था करने के लिए कहा है। ऐसा न कर पाने पर सभी तरह की अनुमतियों को रद करते हुए घुसपैठियों को उनके मूल देश के लिए निर्वासित कर दिया जाएगा।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

● साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने

इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी

लाजेन (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्फिंग क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया हैं।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारुप में 6-6 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशंसक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रू 28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते है जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप

मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने 10- स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए केपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एलपीजीए की 2023 'रूकी ऑफ द ईयर' रयू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्हौने 1964 में कैरोल मान के बनाए टूर के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यू इना को दो स्ट्रोक्स से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई है। आखिरी तीन राउंड में रयू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटीन नेशनल गोल्फ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 25 साल की रयू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। रयू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडर को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक्स पीछे रहीं। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो में खेले गए मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत -भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याउ ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याउ ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बावजूद मिली हार - अगले मैच में भारत के ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया का सामना चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू से हुआ। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और एक समय स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को 33-32 की बढ़त दिलाई, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में मोड़ लिया।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरूनी पर्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी कियू यू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

यूएसओपन 2026

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का सपना टूटा, फाइनल में सु ली यांग से हार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत एक बार फिर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीतने से चूक गए। अमेरिका के फुलर्टन में खेले गए यूएस ओपन 2026 के फाइनल में उन्होंने शानदार संघर्ष किया, लेकिन चीनी ताइपे के युवा खिलाड़ी सु ली यांग ने उन्हें तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

यूएस ओपन 2026 के फाइनल में श्रीकांत को मिली हार - पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के 24 वर्षीय सु ली यांग के खिलाफ 21-15, 16-21, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे नौ मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने दमदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह लय बरकरार नहीं रख सके। इस हार के साथ उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब का इंतजार और लंबा हो गया।

तीसरे गेम में युवा खिलाड़ी ने पलट दी बाजी - निर्णायक गेम में शुरुआत में श्रीकांत मुकाबले में बने रहे और स्कोर 9-7 तक पहुंचा। इसके बाद सु ली यांग ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लंबे मुकाबले का असर श्रीकांत की फिटनेस पर भी दिखाई दिया और अंततः उन्हें 21-9 से गेम गंवाकर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब फिर दूर - भले ही श्रीकांत ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं रहे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला रहा। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और यह दिखाया कि वह अब भी बड़े मंच पर चुनौती पेश करने की क्षमता रखते हैं।

पहले गेम में सु ली यांग का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही सु ली यांग ने आक्रामक खेल दिखाया और जल्दी ही 10-5 की बढ़त बना ली। हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने दिखाई शानदार वापसी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 15-13 तक बेहद करीबी रहा, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने अपना अनुभव दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 20-13 की बढ़त बना ली। उन्होंने चौथे गेम प्वाइंट पर गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है. यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी. इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं. वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टेनिस सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं. उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वीं है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताबः योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं. उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार सालः योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा. उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया. इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पदक दिलाने का लक्ष्यः भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया. उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

● जब डिफेंडिंग चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर

● न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो. टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया. 'द ओवल' में अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना - न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से बाहर हुए. 'ब्लैककैप्स' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी. गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है।

डैनी वायट-हॉज ने लगाई फिफ्टी -इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज ने मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट से बाहर करने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था. सोफिया डंकली ने भी अहम योगदान दिया और 38 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए. दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवर में चेज करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इससे पहले मैच में, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 163/6 पर रोक दिया, जिसमें मेली केर (42) बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. डैनी गिब्सन ने दो विकेट लिए, जबकि लॉरेन बेल और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट लिया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल - इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और बाकी दो सेमीफाइनलिस्ट का फैसला आज होगा. बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मैचों के नतीजों के आधार पर जगहें तय होंगी. ग्रुप स्टेज का आखिरी दिन तीन टीमों के लिए बहुत अहम साबित हुआ है, क्योंकि इससे 'लास्ट फोर' (अंतिम चार) में उनकी जगह तय होगी।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात

पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है. बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए. जिसमें हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया. इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी. जिसकी वजह से उन्हें एक रनों से हार का सामना करना पड़ा. मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है. इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी. इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे. वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस ऑलराउंडर को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा - इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है. बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी. हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपके रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।'

स्टोक्स ने क्या कहा - स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए कई बार अपना सब कुछ झोंका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है. मैं बस यही चाहता हूं. हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूं कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूं कि इस ग्रुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है. मैं बस यही चाहता हूं कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे।